सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 241 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 14 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

ऑनलाइन बेटिंग गेमिंग एप से सट्टा संचालित करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। ऑनलाइन बेटिंग गेमिंग एप के माध्यम से सट्टा खेलने वाले दो आरोपियों को स्मृतिनगर पुलिस एवं एसीसीयू टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों में शेख अकरम (24) निवासी सेक्टर 6 और अनीष कुमार (27) निवासी सेक्टर 7 भिलाई शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन, एक टैब एवं 60 हजार रुपए नगद सहित कुल लगभग 1 लाख 25 हजार रुपए की सामग्री जप्त की गई। पुलिस के मुताबिक आरोपियों से पूछताछ में सिक्किम नामक ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अवैध रूप से जुआ गतिविधि संचालित किए जाने का खुलासा हुआ है। मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

दुष्कर्म के मामले में बंद कैदी जेल से फरार, आरोपी को रेलवे स्टेशन से किया गया गिरफ्तार

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिले में दुष्कर्म के मामले में बंद कैदी के द्वारा जिला जेल से फरार होने का मामला सामने आया है। हालांकि लगभग 8 घण्टे बाद आरोपी को जिला जेल से 5 किलोमीटर दूर पेंड्रारोड रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया तो मामले में जेल प्रहरी की शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध करा दिया गया है। घटना जिला जेल पेंड्रारोड़ का है। 10 जून को दुष्कर्म के आरोपी कुलदीप राठौर उर्फ पटेल को पेंड्रा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था पर एक दिन बाद ही आरोपी कुलदीप मौका देखकर जेल की दीवार फांद कर वहां से भाग खड़ा हुआ। घटना की सूचना जेल प्रबंधक के द्वारा तत्काल गौरेला पुलिस को दी गौरेला पुलिस के साथ जेल प्रबंधक के कर्मचारी भी आरोपी की सरगर्मी से तलाश में जुट गए और शाम 4 बजे के आसपास पेंड्रारोड रेलवे स्टेशन परिसर से गिरफ्तार कर लिया गया।

खुले में शराबखोरी करने वालों पर चला पुलिस का अभियान

भिलाई। अड्डेबाजी एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के विरुद्ध दुर्ग पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इसमें जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 90 प्रकरणों में कार्रवाई की गई है। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अड्डेबाजी, सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन एवं शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों के खिलाफ एक बार फिर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 36(च) के अंतर्गत कुल 90 प्रकरणों में वैधानिक कार्यवाही की गई। थानावार कार्यवाही में थाना सुपेला 12, अंजोरा 7, उतई 6, पुरानी भिलाई 6, वैशाली नगर 6, जामुल 6, छावनी 5, पद्मनाभपुर 5, दुर्ग 5, नेवई 4, खुर्सीपार 4, अंडा 4, पाटन 3, अमलेश्वर 3, मोहन नगर 3, नंदिनी नगर 2, बोरी 2, रानीतराई 2, पुलगांव 2, कुम्हारी क्षेत्र 2 एवं थाना मचांदूर में 1 को मिलाकर कुल कार्यवाही 90 प्रकरण दर्ज किया गया है। अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों, पार्कों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर सघन निगरानी एवं चेकिंग की गई।

जशपुर में आजादी के बाद पहली बार दौड़ेगी ट्रेन केंद्र ने नई रेल लाइन परियोजना को दी मंजूरी

धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना की अधिसूचना जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जिले के विकास इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र में धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित कर दिया गया है। रेल मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार रेल अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के तहत सार्वजनिक हित और राष्ट्रीय अवसंरचना विकास को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को अधिसूचित किया गया है। अधिसूचना के प्रकाशन के साथ ही परियोजना औपचारिक रूप से प्रभावशील हो गई है।

लगभग 291.881 किलोमीटर लंबी इस रेल परियोजना के अधिसूचित होने के साथ ही जशपुर जिले को पहली बार रेल संपर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह महत्वाकांक्षी रेल लाइन रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ से प्रारंभ होकर जशपुर जिले के पत्थलगांव होते हुए झारखंड के लोहरदगा तक पहुंचेगी। परियोजना के क्रियान्वयन से जशपुर जिला सीधे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में विकसित की जा रही आधुनिक आधारभूत संरचना तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विशेष प्रयासों का परिणाम है। वर्षों से क्षेत्रवासियों द्वारा उठाई जा रही रेल संपर्क की मांग अब साकार होने की दिशा में निर्णायक चरण में पहुंच गई है।

लोगों को मिलेगी किफायती परिवहन सुविधा

नई रेल लाइन के निर्माण से जिले की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक बदलाव आएगा और लोगों को सुरक्षित, सुलभ तथा किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। रेल संपर्क स्थापित होने से जशपुर के कृषि एवं उद्यानिकी उत्पादों को देश के बड़े बाजारों तक पहुंचाना आसान होगा। जैविक खेती, सुगंधित धान, मक्का, दलहन, सब्जियां और बागवानी उत्पादों के लिए पहचान रखने वाले इस क्षेत्र के किसानों को बेहतर बाजार और बेहतर मूल्य मिलने की संभावना बढ़ेगी। परिवहन लागत कम होने से स्थानीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ेगी। साथ ही व्यापार और लघु उद्योगों को विस्तार का नया अवसर मिलेगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक बढ़ेगी पहुंच

नई रेल लाइन विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों तक पहुंच को सुगम बनाएगी। वहीं गंभीर मरीजों को बड़े शहरों के अस्पतालों तक शीघ्र पहुंचाने में भी सहायता मिलेगी। इससे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के साथ उनकी उपलब्धता और पहुंच में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

रोजगार और निवेश का नया केंद्र बनेगा क्षेत्र

रेल परियोजना के निर्माण और संचालन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार अवसर सृजित होंगे। बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होने से क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं के साथ औद्योगिक व व्यावसायिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

जशपुर के विकास को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को केंद्र सरकार द्वारा विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से जशपुर के विकास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। लंबे समय से रेल संपर्क की प्रतीक्षा कर रहे जशपुर जिले को इस परियोजना के माध्यम से पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे क्षेत्र की जनता को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

जशपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, घने वन क्षेत्रों, जलप्रपातों, धार्मिक स्थलों और पर्यटन स्थलों के लिए विशेष पहचान रखता है। रेल संपर्क स्थापित होने के बाद पर्यटकों की पहुंच अधिक आसान होगी, जिससे पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि होगी। इससे होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और अन्य सेवा क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

कमरे में पत्नी की लाश, अंदर फंदे पर लटका मिला पति का शव

भिलाई के वृंदा नगर में घटना से इलाके में फैली सनसनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई शहर में वैशाली नगर थाना इलाके के वृंदा नगर में आज सुबह पति और पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने सनसनी फैल गई। पत्नी की लाश घर के सामने कमरे में जमीन पर पड़ी मिली। वहीं अंदर वाले कमरे में पति फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। मौके पर किसी प्रकार का सुसाइडल नोट नहीं मिला है। प्रथमदृष्टया पति की मौत का कारण खुदकुशी लग रहा है। लेकिन पत्नी की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही पता लगने की बात पुलिस कह रही है।

नगर निगम भिलाई के वार्ड नंबर 29 वृंदा नगर में रविवार को पति और पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली। मृतक जी वेंकट रमन मूर्ति (55 वर्ष) की लाश अपने घर के अंदर वाले कमरे में फांसी के फंदे लटकती मिली। वहीं सामने के कमरे में उसकी पत्नी जी विद्यावती (52 वर्ष) मृत अवस्था में पड़ी मिली। मृतका विद्यावती के गले पर रस्सी से कसे जाने का निशान पाए जाने से हत्या किए जाने की आशंका को बल मिल रहा है। लेकिन किसी भी नतीजे तक पहुंचने से पहले पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करने की बात कह रही है। जबकि फांसी के फंदे पर लटकी हुई अवस्था में मिली लाश के आधार पर जी वेंकट रमन की मौत को खुदकुशी के रुप में देखा जा रहा है। घटना स्थल से किसी तरह का सुसाइडल नोट मिलने से पुलिस इंकार कर रही है। एक मोबाइल फोन मिला है जिसका स्क्रीन लॉक है। लॉक खुलवाकर जांच करने पर कुछ और बातें सामने आने की संभावना है।

सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि कोई हलचल नहीं होने पर रविवार सुबह 9 बजे के आसपास मृतक जी वेंकट रमन के पड़ोस में रहने वाली मां ने घर जाकर देखा तो उसकी बहू जी विद्यावती सामने वाले कमरे में मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। वह अंदर वाले कमरे में पहुंची तो बेटा जी वेंकट रमन फांसी लगाकर अपनी जान दे चुका था। उसने दौड़कर अपने छोटे बेटे जी मदन राव को इस बात की जानकारी दी। फिर मदन ने वैशाली नगर पुलिस को सूचना दिया। सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि मृतक जी वेंकट रमन आटो चालक था और पूछताछ में उसकी माली हालत ठीक नहीं रहने का पता चला है। इस दंपत्ति का एक बेटा है जो ओडिशा में कुछ काम करता है। माता - पिता के मौत की खबर मिलते ही वह भिलाई के लिए रवाना हो गया है।

अवैध प्लाटिंग : कुरूद और कोहका में प्रभावित खसरों का क्रय-विक्रय बैन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन की अवैध प्लाटिंग के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम का बड़ा असर देखने को मिला है। विधायक की पहल और शासन-प्रशासन को लिखे गए पत्रों के बाद, जिला प्रशासन और नगर पालिक निगम भिलाई ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुरूद और कोहका सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग से प्रभावित संबंधित खसरों पर तत्काल प्रभाव से क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की कड़ी कार्रवाई की है।

विधायक रिकेश सेन द्वारा शासन को भेजे गए पत्र के संदर्भ में कार्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख शाखा) जिला-दुर्ग द्वारा त्वरित संज्ञान लिया गया। अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर से प्राप्त प्रतिवेदन और जांच के आधार पर वैशाली नगर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुरूद और कोहका (पटवारी हल्का नंबर 46) के विवादित खसरा नंबरों के क्रय-विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है।

दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नगर पालिक निगम भिलाई के अनुसार संबंधित भू-माफियाओं द्वारा कॉलोनाइजर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1998 (संशोधन नियम 2013) और छग नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन किया जा रहा था। इस कृत्य के लिए नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 292(ग)(3) के तहत कम से कम 3 वर्ष और अधिकतम 7 वर्ष के कारावास के साथ ही न्यूनतम 1 लाख जुर्माने का प्रावधान है।

इन क्षेत्रों में लगा प्रतिबंध

आर्य नगर कोहका : नगर निगम द्वारा जारी पत्र क्रमांक 286 के तहत कोहका के खसरा नंबर 802/17, 725/3, 726/4, 727/3, 801/6, 724/27, 723/3 पर अवैध प्लाटिंग की पुष्टि होने के बाद इनके पंजीयन पर रोक लगाने को कहा गया है।

कुरूद एवं कैलाश नगर : इसी पत्र के माध्यम से कुरूद के खसरा नंबर 1512, 1512/1 से 1512/22, 1313/15, 1313/9, 1316/1, 1315/1, 1315/2, 1504/2, 1504/5, 1513/2, 1513/4 पर भी क्रय-विक्रय प्रतिबंधित किया गया है।

एमपी क्रिश्चियन कॉलेज के समीप : एक अन्य कार्रवाई में पत्र क्रमांक 237 के जरिए एम.पी. क्रिश्चियन कॉलेज के समीप स्थित खसरा नंबर 1611/1, 1566, 1567 व इनके अन्य टुकड़ों पर भी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

मानसून की राह देख रहा छत्तीसगढ़, अगले 48 घंटे में दस्तक के संकेत, बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून का इंतजार अब अंतिम दौर में पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून राज्य की सीमा के करीब पहुंच चुका है और अनुकूल परिस्थितियों के चलते अगले एक-दो दिनों में बस्तर क्षेत्र से इसकी एंट्री होने की संभावना है। हालांकि पिछले तीन दिनों से मानसून की रफ्तार धीमी पड़ी हुई है, जिससे प्रदेश में गर्मी का असर फिर बढ़ने लगा है। प्री-मानसून गतिविधियों में कमी आने के कारण बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, एक सक्रिय द्रोणिका मध्य पाकिस्तान से राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश तक फैली हुई है। इसी सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में मौसम लगातार बदलाव दिखा रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों के लिए अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके साथ ही गरज-चमक, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। अगले दो दिनों तक भी इसी तरह का मौसम बने रहने के संकेत हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में राजनांदगांव प्रदेश का सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं पेंड्रारोड में न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।

बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो कुसमी में सबसे अधिक 5 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा ओरछा में 4 सेंटीमीटर, पिपरिया में 3 सेंटीमीटर तथा बड़े बचेली और थानखमरिया में 2-2 सेंटीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग का मानना है कि मानसून के प्रदेश में प्रवेश करते ही बारिश की गतिविधियों में तेजी आएगी।

संपादकीय

आती-जाती सत्ता के साथ बदलती नेताओं की वफादारी

पारिवारिक और सामाजिक जीवन में जहां वफादारी सबसे बड़ी पूंजी होती है, वहीं क्या सियासत की दुनिया में वफादारी सबसे सस्ती चीज होती है? आज यह सवाल हर तरफ पूछा जा रहा है। क्या जब तक सत्ता का 'सूरज' चमकता रहता है, दरबार में भीड़ लगी रहती है। लेकिन जैसे ही सूरज 'अस्ताचल' होने लगता है, सियासी 'महफिल' में सन्नाटा छा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त ठीक यही हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बाद तृणमूल कांग्रेस की बगावत ने पार्टी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। दिल्ली से कोलकाता तक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मनमानी के खिलाफ पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों और 58 से अधिक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। वैसे यह महज एक पार्टी का संकट नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र के उस गहरे घाव को उजागर करता है, जिसे मौकापरस्ती का नासूर कहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 45.43 प्रतिशत वोट पाकर सत्ता पर कब्जा किया और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 7.16 प्रतिशत गिर गया। विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम में ममता बनर्जी की पार्टी को मात्र 80 सीटें मिलीं। ममता बनर्जी के 35 में से 22 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा, यानी करीब 63 प्रतिशत मंत्री चुनाव हार गए। खुद ममता बनर्जी भी अपने पुराने गढ़ भवानीपुर में हार गईं। पंद्रह साल की सत्ता का यह अंत था, लेकिन असली तमाशा इसके बाद शुरू हुआ।

> " दिल्ली से कोलकाता तक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मनमानी के खिलाफ पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों और 58 से अधिक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। वैसे यह महज एक पार्टी का संकट नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र के उस गहरे घाव को उजागर करता है, जिसे मौकापरस्ती का नासूर कहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 45.43 प्रतिशत वोट पाकर सत्ता पर कब्जा किया और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 7.16 प्रतिशत गिर गया। विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम में ममता बनर्जी की पार्टी को मात्र 80 सीटें मिलीं।

पिछले 14 दिन में ही पांच बड़े नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपनी राज्यसभा सीट भी छोड़ दी है। जिस सुखेंदु शेखर राय को ममता का सबसे भरोसेमंद सिपाही माना जाता था, उन्होंने जाते-जाते भाजपा की तारीफ में पत्र लिखा। 14 बागी सांसद भाजपा के राष्ट्रीय रणनीतिकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर लंच के लिए जुटे, जहां पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। यह लंच महज खाने का नहीं, सियासी पाला बदलने का आयोजन था। बागियों की फेहरिस्त लंबी है। काकोली घोष दस्तीदार, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान, अबू ताहिर खान, पार्थ भौमिक, बापी हलदार, सायोनी घोष, माला रॉय, मिताली बाग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, अरूप चक्रवर्ती और शत्रुघ्न सिन्हा समेत 19 सांसदों के नाम बागी सूची में हैं। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने खुलकर कहा कि भारी भ्रष्टाचार की वजह से पार्टी की हार हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि वे एनडीए का समर्थन करेंगी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए मौजूदा सरकार के साथ काम करेंगी। टीएमसी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी पार्टी से इस्तीफा देकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती दी।

लेकिन यह बीमारी सिर्फ तृणमूल की नहीं है। भारतीय राजनीति का पूरा इतिहास ऐसे मौकापरस्तों से भरा पड़ा है, जिन्होंने सत्ता के लिए अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को ताक पर रख दिया। 2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया, तब से कांग्रेस का एक के बाद एक बड़ा चेहरा पार्टी छोड़ता चला गया। गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, हेमंत बिस्वा सरमा, जगदंबिका पाल, अदिति सिंह काफी लंबी लिस्ट है। राहुल-प्रियंका के सबसे करीबी आरपीएन सिंह तक ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। ये वो लोग थे, जो कभी गांधी परिवार के सबसे करीबी माने जाते थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ही पलट दी और सीधे केंद्र में मंत्री बन गए। महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और अगले ही दिन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। अमरिंदर सिंह, जो पंजाब के मुख्यमंत्री रहे और जिन्होंने पाकिस्तान से लड़ाई तक की बात की थी, वे भी कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाकर बाद में भाजपा की गोद में जा बैठे। नारायण राणे, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने भी यही रास्ता चुना। एक नेता ने जाते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे 55 साल के साथ को छोड़कर पार्टी बदल लेंगे, लेकिन देश के लिए मोदी जी का विजन बहुत बड़ा है। पचपन साल की निष्ठा रातोंरात इस तरह बदल जाती है, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए कोई गौरव की बात नहीं है।

राष्ट्र निर्माण की अदृश्य आधारशिला का मूल्यांकन

डॉ. रितु सारस्वात

यदि किसी परिवार की आय उसके आर्थिक आधार को सुदृढ़ करती है, तो घर के भीतर किया जाने वाला श्रम उस आधार को स्थायित्व प्रदान करता है। दोनों में से किसी एक के अभाव में परिवार की संरचना पूर्ण नहीं हो सकती। इसलिए घरेलू श्रम को केवल एक पारिवारिक दायित्व मानना उसके वास्तविक महत्व को कम करके आंकना होगा।

हाल ही में देश की सर्वोच्च अदालत ने 'शिशुपाल उर्फ शिशराम एवं अन्य बनाम सुरजीत एवं अन्य' मामले में एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए भारतीय समाज के समक्ष उपस्थित एक ऐसे प्रश्न को पुनः केंद्र में ला खड़ा किया है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त गंभीरता से विचार नहीं किया गया। न्यायालय ने गृहिणियों को 'राष्ट्र निर्माता' की संज्ञा देते हुए कहा कि उनके द्वारा किया जाने वाला घरेलू श्रम केवल परिवार के संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

न्यायालय ने निर्देश देते हुए कहा कि 'जब कोई मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, उच्च न्यायालय अथवा यह न्यायालय किसी ऐसे मामले पर विचार कर रहा हो, जिसमें एक गृहिणी की मृत्यु हुई हो, तब मुआवजे की गणना में गृहिणियों के साथ होने वाली उस अंतर्निहित असमानता को दूर करने के लिए, जो उनकी अनुमानित आय के अत्यंत रूढ़िवादी आकलन के कारण उत्पन्न होती है, 'घरेलू देखभाल की हानि' के अंतर्गत 30,000 रुपये प्रतिमाह की एक समेकित राशि जोड़ी जानी चाहिए।' न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि इस राशि में प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर संचयी रूप से 10 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

प्रथम दृष्टया यह निर्णय मोटर दुर्घटना मुआवजा दावों में क्षतिपूर्ति निर्धारण से संबंधित एक सामान्य न्यायिक आदेश प्रतीत हो सकता है, किन्तु वास्तव में इसका महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह निर्णय केवल 30,000 रुपये प्रतिमाह की राशि निर्धारित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उस दृष्टिकोण में परिवर्तन का प्रतीक है, जिसके माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय ने घरेलू श्रम के सामाजिक और आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया है। लंबे समय तक भारतीय समाज में घर के भीतर किए जाने वाले कार्यों को प्रेम, कर्तव्य और पारिवारिक दायित्व के रूप में देखा जाता रहा, जबकि उनके आर्थिक महत्व पर अपेक्षित गंभीरता से विचार नहीं किया गया।

निःसंदेह, किसी भी परिवार का सुचारु संचालन केवल आर्थिक आय पर निर्भर नहीं करता। भोजन की व्यवस्था, बच्चों का पालन-पोषण, वृद्धजनों की देखभाल, परिवार के सदस्यों की आवश्यकताओं का समन्वय, घर का प्रबंधन तथा भावनात्मक संतुलन बनाए रखने जैसे असंख्य कार्य प्रतिदिन किए जाते हैं, जिनके लिए कोई वेतन निर्धारित नहीं होता। विडंबना यह है कि जिन कार्यों के बिना परिवार की संरचना की कल्पना भी नहीं की जा सकती, वही कार्य लंबे समय तक आर्थिक मूल्यांकन की प्रक्रिया से बाहर रहे। उक्त निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने आगे कहा कि 'यह विडंबनापूर्ण है कि गृहिणी को परिवार के कमाने वाले सदस्यों पर आश्रित बताया जाता है, जबकि वास्तविकता यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था और सुचारु संचालन काफी हद तक गृहिणी पर ही निर्भर करता है।'

वास्तव में यह टिप्पणी भारतीय समाज में लंबे समय से प्रचलित उस धारणा को चुनौती देती है, जिसके अनुसार आर्थिक आय अर्जित करने वाला व्यक्ति ही परिवार का मुख्य योगदानकर्ता माना जाता है। यदि किसी परिवार की आय उसके आर्थिक आधार को सुदृढ़ करती है, तो घर के भीतर किया जाने वाला श्रम उस आधार को स्थायित्व प्रदान करता है। दोनों में से किसी एक के अभाव में परिवार की संरचना पूर्ण नहीं हो सकती। इसलिए घरेलू श्रम को केवल एक पारिवारिक दायित्व मानना उसके वास्तविक महत्व को कम करके आंकना होगा। न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी रेखांकित किया कि 'गृहिणियों का योगदान केवल बच्चों के जन्म और पालन-पोषण तक सीमित नहीं है। वे उस मानव पूंजी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिस पर किसी भी राष्ट्र की सामाजिक और आर्थिक प्रगति आधारित होती है।' यह निर्विवादित है कि किसी भी समाज का भविष्य केवल उसके उद्योगों, संस्थानों अथवा आर्थिक नीतियों से निर्मित नहीं होता, बल्कि उन मानवीय मूल्यों, संस्कारों और क्षमताओं से भी निर्मित होता है, जिनका विकास परिवार के भीतर होता है।

वर्तमान निर्णय का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने क्षतिपूर्ति निर्धारण के संबंध में विकसित हो रहे न्यायशास्त्र को भी आगे बढ़ाया है। इस संदर्भ में न्यायालय ने 'नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड बनाम प्रणय सेठी एवं अन्य' के ऐतिहासिक निर्णय का उल्लेख किया, जिसमें क्षतिपूर्ति निर्धारण के लिए कुछ पारंपरिक मदों, जैसे संपत्ति की हानि, साहचर्य की हानि तथा अंत्येष्टि व्यय को मान्यता प्रदान की गई थी। 'शिशुपाल उर्फ शिशराम एवं अन्य बनाम सुरजीत एवं अन्य' मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने इस न्यायिक दृष्टिकोण का विस्तार करते हुए 'घरेलू देखभाल की हानि' को भी एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में स्वीकार किया है।

यह परिवर्तन केवल विधिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। किसी गृहिणी की मृत्यु के पश्चात परिवार को केवल भावनात्मक आघात ही नहीं पहुंचता, बल्कि वर्षों से संचालित हो रही देखभाल, मार्गदर्शन, संरक्षण और घरेलू प्रबंधन की वह व्यवस्था भी प्रभावित होती है, जिसका कोई प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य निर्धारित नहीं किया जाता। न्यायालय ने वस्तुतः इसी अदृश्य हानि को पहचानने और उसका न्यायसंगत मूल्यांकन करने का प्रयास किया है।

इस निर्णय का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष वह व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने अपनाया है। न्यायालय ने स्वीकार किया कि महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू एवं देखभाल संबंधी कार्य का आर्थिक मूल्य भारत की सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 15 से 17 प्रतिशत के समतुल्य आंका गया है। इसके बावजूद यह श्रम न तो औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा माना जाता है और न ही उसे वह सामाजिक तथा आर्थिक मान्यता प्राप्त होती है, जिसका वह वास्तविक रूप से अधिकारी है। वस्तुतः यह स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज के उस महत्वपूर्ण योगदान की ओर ध्यान आकर्षित करती है, जो प्रतिदिन किया तो जाता है, किंतु प्रायः औपचारिक गणनाओं और नीतिगत विमर्श में पर्याप्त स्थान नहीं पाता।

निश्चय ही यह निर्णय उस व्यापक सामाजिक परिवर्तन की ओर भी संकेत करता है, जिसमें पारिवारिक भूमिकाओं को पारंपरिक रूढ़ धारणाओं से परे जाकर समझने की आवश्यकता है। बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में घर तथा परिवार की देखभाल का दायित्व केवल महिलाओं तक सीमित नहीं रह गया है। आज अनेक परिवारों में पुरुष भी बच्चों के पालन-पोषण, घरेलू प्रबंधन तथा परिवार की दैनिक आवश्यकताओं के निर्वहन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

ऐसी स्थिति में 'होम मेकर' की अवधारणा को केवल किसी एक लिंग से जोड़कर देखना न तो सामाजिक यथार्थ के अनुरूप है और न ही न्याय के व्यापक सिद्धांतों के। घरेलू श्रम का मूल्य उसके स्वरूप और योगदान में निहित है, न कि उसे करने वाले व्यक्ति के लिंग में। संभवतः यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में 'गृहिणी' के प्रश्न पर विचार करते हुए भी घरेलू देखभाल और पारिवारिक उत्तरदायित्वों के महत्व को अधिक व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास किया है।

निस्संदेह किसी गृहिणी के योगदान का पूर्ण मूल्यांकन किसी धनराशि में नहीं किया जा सकता। तथापि यह निर्णय इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम अवश्य है कि घर की चारदीवारी के भीतर किया जाने वाला श्रम भी उतना ही सम्मान और मान्यता प्राप्त करे, जितना समाज में दिखाई देने वाला अन्य कोई कार्य। न्यायालय का यह निर्णय केवल क्षतिपूर्ति निर्धारण का एक नया मानदंड नहीं, बल्कि घरेलू श्रम की गरिमा और उसके सामाजिक महत्व की औपचारिक स्वीकृति के रूप में भी स्मरण किया जाएगा।

लेखिका समाजशास्त्री हैं।

सुविधाओं के आदी लोगों के लिए 'फ्रिक्शन मैक्सिंग' करना मुश्किल है!

एन. रघुरामन

अधिक उम्र के कई लोगों को याद होगा कि उस दौर की गर्मियों में टेबल फैन ही हवा का एकमात्र साधन हुआ करता था। मेरे बचपन में हमारे घर में उषा कंपनी का एक फैन था, जो दाईं ओर घूमते हुए कमरे के उस छोर तक हवा देता था, जहां मेरे पिता सो रहे होते थे। फिर वह बाईं ओर घूमकर मेरी तरफ आने में समय लगाता था।

मुझे पक्का विश्वास था कि चूंकि पिता परिवार के मुखिया थे, इसलिए फैन भी जानता था कि उन्हें ही ज्यादा हवा देना है। जबकि वह मुझे उससे वंचित रखता था क्योंकि परिवार की हायरेर्की में मेरी कोई खास अहमियत थी ही नहीं। इसलिए मैंने पिता से हमारी जगहें बदलने का अनुरोध किया। लेकिन पंखा भी चालाक था।

इस बार वह बाईं ओर धीमा हो गया और दाईं ओर आने में समय लेने लगा। कभी-कभी मैं सोने के बजाय टेबल फैन के घूमने के साथ-साथ चलता रहता था और मां-पिता तक पहुंचने वाली हवा को रोक देता था। वे कहते थे, कितनी देर ऐसे ही चलते रहोगे? आओ और सो जाओ। उन्हीं दिनों में पिता ने मुझे सलाह दी थी- असुविधा को सहने की क्षमता विकसित करो, यह जीवन में तुम्हारी मदद करेगी।' लेकिन उस समय मैंने उनकी इस हिदायत पर ध्यान नहीं दिया था। फिर मैं बड़ा हुआ। मेरा सौभाग्य था कि 18 वर्ष की उम्र में ही मुंबई में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी रोश प्रोडक्ट्स के साथ कामकाजी जीवन की शुरुआत करने का मुझे अवसर मिल गया। दुनिया में जानी-मानी फार्मा कंपनी के वातानुकूलित माहौल में बैठकर काम करते हुए मुझे दो बातें याद आती थीं- एक, पिता की दी हुई सलाह और दूसरी, नागपुर रेलवे स्टेशन के आरक्षण कार्यालय में उनका दफ्तर, जो गर्म, शोरगुल भरा, हमेशा भीड़ से खचाखच रहता था और जहां हर कर्मचारी रूमाल से अपना पसीना पोंछता रहता था।

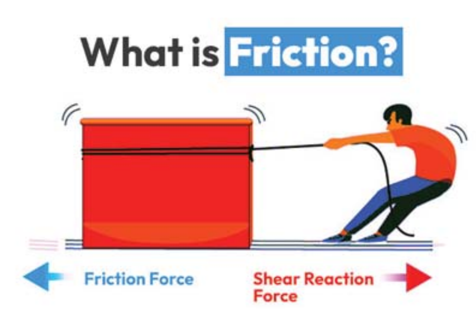

अपने एसी वर्कप्लेस से बाहर निकलने के बाद मुझे बॉम्बे (अब मुंबई) की लोकल ट्रेन में सफर करना नापसंद था। उन दिनों एसी लोकल ट्रेन नहीं हुआ करती थीं। जब मैंने सामान्य लोकल ट्रेन में ही पहले दर्जे का सीजन टिकट खरीदने का फैसला किया, तो मेरे पिता ने फिर वही समझाइश दोहराई- असुविधा को सहने की क्षमता विकसित करो' और मैंने फिर उनकी बात को अनसुना कर दिया।

कुछ सालों बाद जब मेरी बेटी इस दुनिया में आई, तो मैंने 1991 में अपने घर में यह कहते हुए विंडो एसी लगवाया कि बच्ची को आराम की जरूरत है। लेकिन मेरे पिता गर्मियों में भी हमेशा अपनी पोती को उस कमरे से बाहर ले जाते और कहते- बच्चों को थोड़ा असुविधाजनक माहौल में भी बड़ा होना चाहिए।' मैंने फिर उनकी बात को नजरअंदाज कर दिया। मैं सोचता था मैं अपनी बच्ची को उससे कहीं ज्यादा कम्फर्ट दे सकता हूं, जितना वे अपने बच्चे को दे पाए थे।

वर्षों बाद मुझे इस बात का तब एहसास हुआ कि पिता की वो समझाइशें कितनी दूरदर्शी थीं, जब मैंने एक ऐसी पीढ़ी को देखा, जो छोटी-छोटी बातों पर निराशा और गुस्से की शिकार हो रही है। कारण, ज्यादातर पैरेंट्स ने वही किया जो मैंने किया था। जब राजा बेटा' बचपन से ही तमाम तरह की सुविधाएं पाता है, तो बड़ा होकर आक्रामक बन जाता है।

पिछले सप्ताह एक मित्र के बेटे ने कांच की खिड़की पर मुक्का मार दिया, क्योंकि उसकी मां बाजार से तय समय पर नहीं लौटीं और घर का मुख्य दरवाजा नहीं खोला। मित्र ने मुझसे अनुरोध किया कि मैं तुरंत पहुंचकर उसके बेटे को अस्पताल ले जाऊं। वह फ्रिक्शन मैक्सिंग नहीं कर पाया था।

फ्रिक्शन मैक्सिंग का अर्थ है- रोजमर्रा की आदतों में जानबूझकर छोटे-छोटे अवरोध या प्रतिरोध जोड़ना, ताकि तकनीकी-आधारित सुविधाभोगिता के खिलाफ खुद को तैयार किया जा सके। जैसे छपी किताब पढ़ना, जीपीएस के बिना गाड़ी चलाना या मूलभूत चीजों से खाना पकाना (न कि रेडी टु ईट से)- ताकि एकाग्रता, सहनशीलता और उपलब्धि का एहसास विकसित हो। यह स्क्रीन से होने वाली थकान, तुरंत संतुष्टि पाने की आदत और मानसिक थकावट का एंटीडोट है। किसी कठिन या धीमी प्रक्रिया वाली चीज को जानबूझकर धैर्य के साथ करने की असुविधा को स्वीकार करके व्यक्ति वास्तविकता से दोबारा जुड़ता है, जिससे वह कम निराश और हताश होता है।

फंडा यह है कि अपने बच्चों को रोजमर्रा के जीवन में कुछ असुविधाओं को स्वीकार करना भी सिखाएं, आसान रास्तों को हमेशा चुनने से बचें और उनमें असुविधा सहने की क्षमता विकसित करें। यकीन मानिए, इससे उन्हें अनिश्चितताओं का मुस्कराते हुए सामना करने में मदद मिलेगी।

व्यूज की अंधी दौड़ में लहूलुहान होती सामाजिक मर्यादा

अजय कुमार

गुरुग्राम के एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में 370 की बिरयानी की कीमत एक महिला की अस्मिता से लगाने वाले दर्शक का वीडियो और उस पर ताली पीटते कॉमेडियन प्रणीत मोरे का ठहाका सिर्फ एक तात्कालिक विवाद नहीं, बल्कि भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी के उस गहरे नैतिक और वैचारिक पतन का दस्तावेज़ है, जो पिछले एक दशक से धीरे-धीरे हमारे समाज में पैठ बना रहा था। यह घटना साफ तौर पर रेखांकित करती है कि व्यूज, लाइक्स और वायरल क्लिप्स की अंधी दौड़ में हास्य और अश्लीलता के बीच का अंतर पूरी तरह समाप्त हो चुका है। जहाँ दर्शक हिमांशु जांगड़ा की नौकरी चली गई, वहीं प्रणीत मोरे को अपना सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर माफी मांगनी पड़ी। वहीं, दिवंगत अभिनेता इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर से लेकर अभिनेत्री रश्मि देसाई तक ने इस खोखली माफी को सिरे से खारिज कर दिया। विवाद केवल यहीं नहीं थमा; इसी शो की एक अन्य क्लिप में एक महिला मेडिकल छात्रा ने मेडिकल कॉलेज में 'डेड बॉडी' के प्राइवेट पार्ट्स पर मज़ाक बनाने की बात गर्व से कबूल की, जिसने चिकित्सा जगत की नैतिकता और देहदान करने वाले परिवारों की भावनाओं को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया। यह अराजकता किसी एक मंच की नहीं, बल्कि उस 'क्राउडवर्क' फॉर्मेट की देन है, जहाँ बिना स्क्रिप्ट, बिना सेंसर और बिना संपादन के केवल तात्कालिक भीड़ को हंसाने के लिए किसी भी हद तक जाने की खुली छूट ले ली गई है। भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी का इतिहास पिछले एक दशक में जितनी तेज़ी से

व्यावसायिक रूप से समृद्ध हुआ है, वैचारिक और सामाजिक रूप से वह उतना ही सतही और खोखला होता गया है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का पूरा एल्गोरिदम रचनात्मकता से ज्यादा 'शॉक वैल्यू' और विवाद को बढ़ावा देता है। जब कलाकार को पता होता है कि जितना तीखा, अभद्र या विवादास्पद कंटेंट होगा, रील्स और शॉर्ट्स पर उतने ही मिलियन व्यूज मिलेंगे, तो वह सामाजिक मर्यादाओं को ताक पर रख देता है। अभिनेत्री रश्मि देसाई और आयशा खान का यह सवाल बेहद मौजूं है कि जब एक महिला की गरिमा को मंच पर तार-तार किया जा रहा था, तब उस हॉल में बैठे सैकड़ों लोगों में से एक भी व्यक्ति ऐसा क्यों नहीं था, जो उठकर इसका विरोध करता सामूहिक हँसी अक्सर व्यक्तिगत विवेक को सुला देती है और यही इस डिजिटल इकॉनॉमी का सबसे खतरनाक पहलू है। जब हास्य का पैमाना केवल भीड़ का ठहाका बन जाए, तो वह कला नहीं, बल्कि एक अनियंत्रित तमाशा बन जाती है।

यदि हम पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों और इतिहास पर नज़र डालें, तो स्टैंडअप कॉमेडी का यह भटकाव हर दिशा में फैला है, चाहे वह धर्म हो, देश की सुरक्षा एजेंसियां हों, सेना हो या फिर लोक संस्कृति। साल 2021 में मुनव्वर फारुकी को इंदौर में हिंदू देवी-देवताओं और गृह मंत्री पर कथित अभद्र टिप्पणी के आरोप में करीब एक महीना जेल में बिताना पड़ा था।

इसके बाद 2023 में भारतीय मूल की अमेरिकी कॉमेडियन जरना गर्ग का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने '19,000 हिंदू देवी-देवताओं' का मज़ाक उड़ाया, जिसके खिलाफ देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला और कई राज्यों में एफआईआर की मांग की गई। साल 2024 में पुनः मुनव्वर फारुकी को मुंबई के एक शो में कोंकणी समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के लिए लिखित माफी मांगनी पड़ी। वर्ष 2025 में यह विवाद चरम पर पहुंच गया, जब महाराष्ट्र में महज दो महीनों के दौरान कुणाल कामरा, समय रैना और प्रणीत मोरे पर अलग-अलग मामलों में गंभीर एफआईआर दर्ज हुईं। कुणाल कामरा द्वारा राजनीतिक नेतृत्व पर किए गए कटाक्ष के बाद मुंबई के हैबिटेट क्लब में तोड़फोड़ हुई और बीएमसी की कार्रवाई झेलनी पड़ी। इसी तरह अतीत में तन्मय भट्ट द्वारा भारत रत्न लता मंगेशकर और सचिन तेंदुलकर का मज़ाक उड़ाने पर भारी कानूनी और सामाजिक विरोध का सामना करना पड़ा था, जबकि आंध्र प्रदेश में कॉमेडियन अनुदीप को अभिनेता व नेता पवन कल्याण पर की गई टिप्पणी के कारण पुलिस हिरासत में जाना पड़ा।

यह पूरा परिदृश्य दिखाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर एकतरफा ढाल तैयार की जा रही है। जब राजनेताओं, पुलिसकर्मियों या सेना के जवानों पर व्यंग्य किया जाता है, तो उसे लोकतांत्रिक अधिकार का नाम दिया जाता है, लेकिन जब इसी स्वतंत्रता का उपयोग किसी मृत देह के अपमान, किसी समुदाय की अस्मिता को ठेस पहुँचाने या महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है, तब इसे किस श्रेणी में रखा जाएगा देश में हर साल हजारों स्टैंडअप शो होते हैं और इनके वीडियो यूट्यूब व इंस्टाग्राम पर करोड़ों की कमाई करते हैं। इस विशाल बाजार की अपनी एक सामाजिक जिम्मेदारी बनती है। एक जीवंत लोकतंत्र में सत्ता, रूढ़ियों और पाखंड पर तीखा कटाक्ष होना अनिवार्य है और भारत में ऐसे बेहतरीन कलाकार हैं, जो मर्यादा में रहकर यह काम करते हैं। परंतु जब पूरी इंडस्ट्री को एक ही तराजू में तौला जाता है, तो नुकसान उन वास्तविक कलाकारों का होता है, जो कला की समझ रखते हैं। प्रणीत मोरे का यह कहना कि 'वह इंसान हैं और सीख रहे हैं', एक पेशेवर मंच पर अपनी जिम्मेदारी से भागने जैसा है। यदि वीडियो को एडिट कर, उस पर आकर्षक टैग लगाकर जानबूझकर वायरल किया गया, तो कॉमेडियन इस प्रकरण में बराबर का भागीदार है।

हास्य का मूल उद्देश्य समाज को आईना दिखाना और तनाव कम करना होता है, न कि किसी की गरिमा को कुचलना। सरकार या अदालतें कानून बनाकर मंच पर सेंसरशिप लागू नहीं कर सकतीं और न ही यह एक स्वस्थ समाज के लिए सही होगा। इसकी अंतिम रेखा उस दर्शक को ही खींचनी होगी, जो टिकट खरीदकर इन शो में बैठता है। जब तक दर्शक अश्लीलता, अभद्रता और संवेदनहीनता पर तालियाँ बजाना बंद नहीं करेंगे, तब तक व्यूज की भूख से तड़पते ये क्रिएटर मर्यादाओं को लांघते रहेंगे। समय आ गया है कि डिजिटल युग की इस 'बर्बर हँसी' के खिलाफ समाज स्वयं अपनी मूक सहमति को तोड़े और यह तय करे कि मनोरंजन के नाम पर किस हद तक नीचे गिरने की इजाजत दी जा सकती है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

किकिरमेटा में खुमान साव जयंती पर लोकगीतों की धूम

भिलाई। ग्राम किकिरमेटा में छत्तीसगढ़ी लोकगीतों के भीष्म पितामह स्व. खुमान साव की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग के सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों लोक कलाकार भी पहुंचे, जिससे गांव का माहौल लोकधुनों और पारंपरिक रंग में रच–बस गया। इस अवसर पर पुष्पा साहू कृत लोकमंच नवा किसान, रामनगर भिलाई ने खुमान संगीत की प्रस्तुति देकर दर्शकों को छत्तीसगढ़ी लोक परंपरा की समृद्धि से परिचित कराया। प्रस्तुति के माध्यम से खुमान साव के योगदान को याद किया गया और लोकगीतों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

पाटन में लोक कल्याण मेला 15 जून को लगेगा

पाटन। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं, शहरी गरीबों एवं असंगठित श्रमिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने तथा वित्तीय सहायता के समायोजन के उद्देश्य से नगर पंचायत पाटन में लोक कल्याण मेला 15 जून को आयोजित किया जाएगा। आयोजन नगर पंचायत पाटन के सभागार में सुबह सुबह 10.30 से दोपहर 2.30 बजे तक होगा। मेले में पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को जानकारी दी।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 17 को, 2329 पदों पर भर्ती

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग और कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, खम्हरिया, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 जून को कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले के लिए कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग स्नातक, एमबीबीएस, बीएएमएस, नर्सिंग, जीएनएम, एएनएम, डिप्लोमा पैरामेडिकल एवं अन्य योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 17 नियोजकों से 2329 तकनीकी एवं गैर तकनीकी रिक्तियां प्राप्त हो चुकी हैं।

नगरीय निकाय के कर्मचारी बेमियादी हड़ताल पर जाएंगे

दुर्ग। प्रदेशभर के नगरीय निकाय कर्मचारी अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर 17 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। नवनियुक्त अधिकारी–कर्मचारी कल्याण संघ के बैनर तले होने वाले आंदोलन को सफल बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने दुर्ग जिले के विभिन्न निकायों का दौरा कर कर्मचारियों से संपर्क किया।

विधायक रिकेश के कार्यालय में खुला रेलवे रिजर्वेशन कार्यालय

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के लिए विधायक रिकेश सेन ने एक नई जनसुविधा की घोषणा की है। अब क्षेत्र के लोगों को रेलवे टिकट के लिए स्टेशन पर लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं होगी।

शांति नगर जीरो रोड स्थित विधायक कार्यालय में रेलवे का अधिकृत टिकट काउंटर शुरू किया जा रहा है, जहां यात्रियों को सीधे रेलवे की निर्धारित दर पर टिकट उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों, विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और कामकाजी लोगों को सुविधा प्रदान करना है ताकि उन्हें टिकट के लिए अनावश्यक भागदौड़ न करनी पड़े।

न कमीशन, न अतिरिक्त शुल्क

विधायक कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार इस काउंटर पर रेलवे टिकट पूरी तरह अधिकृत प्रक्रिया के तहत उपलब्ध होंगे। जरूरतमंदों को रेलवे की निर्धारित दर पर टिकट, बगैर कोई कमीशन, कोई अतिरिक्त शुल्क, स्थानीय स्तर पर आसान उपलब्धता के अनुरूप टिकट मिल सकेगा। जिससे समय और श्रम की बचत होगी।

कब, कहां और कैसे मिलेगी सुविधा?

स्थान: विधायक कार्यालय, शांति नगर, जीरो रोड में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक नागरिक विधायक कार्यालय पहुंचकर आसानी से टिकट प्राप्त कर सकेंगे।

बुजुर्गों और महिलाओं को मिलेगा विशेष लाभ

रेलवे टिकट लेने के लिए अक्सर स्टेशन तक पहुंचना और लंबी लाइन में लगना कई लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता है। नई व्यवस्था से बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और नौकरीपेशा लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा यह सुविधा टिकट दलाली और अनधिकृत शुल्क वसूली जैसी समस्याओं पर भी रोक लगाने में मददगार साबित होगी। इस सुविधा के प्रारंभ होने से लोगों ने विधायक रिकेश सेन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

उन्नत कौशल विकास को मिलेगा नया आयाम बीएसपी एवं सीटीटीसी के बीच एमओयू संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल–बीएसपी ने उन्नत तकनीकी शिक्षा एवं भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के अंतर्गत कार्यरत स्वायत्तशासी संस्था सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर (सीटीटीसी), भुवनेश्वर के साथ सेक्टर–5, भिलाई में अत्याधुनिक स्किल डेवलपमेंट एक्सटेंशन सेंटर की स्थापना हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। एमओयू हस्ताक्षर समारोह का आयोजन इस्पात भवन, भिलाई में हुआ।

समझौता ज्ञापन पर भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन–प्रशिक्षण एवं विकास) संजीव कुमार श्रीवास्तव तथा सीटीटीसी भुवनेश्वर की ओर से महाप्रबंधक एल राजशेखर ने हस्ताक्षर किए। यह पहल क्षेत्रीय कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने तथा उद्योगों की भावी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य एक उन्नत प्रशिक्षण एवं कौशल विकास केंद्र की स्थापना करना है, जिससे बीएसपी के कर्मचारियों, संविदा कर्मियों, स्थानीय युवाओं तथा अन्य हितधारकों को उद्योगोन्मुख तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। प्रस्तावित एक्सटेंशन सेंटर आधुनिक औद्योगिक तकनीकों एवं उभरते विनिर्माण क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

केंद्र में ऑटोमेशन, सीएनसी मशीनिंग, एडवांस्ड हाइड्रोलिक एवं न्यूमैटिक सिस्टम, आधुनिक वेल्डिंग तकनीक, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन, पावर सिस्टम, मोटर ड्राइव्स, मेकाट्रॉनिक्स, वाइब्रेशन एनालिसिस, कैड–कैम, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसे अत्याधुनिक विषयों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

सीटीटीसी भुवनेश्वर अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, योग्य संकाय सदस्यों की उपलब्धता तथा उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करेगा। वहीं भिलाई इस्पात संयंत्र आवश्यक आधारभूत संरचना एवं प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए इस केंद्र को तकनीकी अधिगम, नवाचार एवं कौशल संवर्धन के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने में सहयोग प्रदान करेगा।

कुहुकी एवं लोक रागिनी की लोक वाद्य की 10 दिवसीय कार्यशाला आज से

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कुहुकी एवं लोक रागिनी सांस्कृतिक संस्था की ओर से संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से दस दिवसीय लोक वाद्य कार्यशाला–शिविर का आयोजन 14 जून से 23 जून तक किया जा रहा है।

कुहुकी कलाग्राम संग्रहालय परिसर मरोदा सेक्टर मैत्री बाग के बाजू में होने वाली इस कार्यशाला के संबंध में लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय ने बताया कि यहां खंजेरी, तंबूरा, गतका, तुरही, चरहे, चिटकुली, कुहुकी और रूंजु आदि वाद्य बनाना कार्यशाला में सिखाया जाएगा।

कार्यशाला का उद्घाटन 14 जून को शाम 05 बजे होगा। हर आयुवर्ग विशेषकर युवा इस कार्यशाला में हिस्सा ले सकते हैं। यहां बेल मेटल के लिए बनिया पारा कोंडागांव से शिबू कश्यप, लौह शिल्प के लिए ग्राम दहीकोंगा से रामदास, मिट्टी शिल्प के लिए मरारपारा कोंडागांव से डमरु चक्रधारी, काष्ठ कला के लिए दीपक तारम लोहारा, बिजेलाल, राजनांदगांव जिले से पन्ना लाल डोंगरगढ़ से, रुंझू के लिए गाड़ाडीह से नंद कुमार देवार, डोरे लाल, तंबूरा–रामकुमार पाटिल रनचिरई से प्रशिक्षण देंगे। कार्यशाला रोजाना सुबह 7 से 11 बजे एवं शाम 5 से 8 बजे तक चलेगी। इच्छुक प्रतिभागी इस कार्यशाला में शामिल हो सकते हैं।

रामप्यारा पारकर सम्मान अपराध शाखा की माधुरी को

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। लोक कला एवं साहित्य संस्था सिरजन द्वारा आयोजित सुरता पारकर 2026 के अंतर्गत रामप्यारा पारकर स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन नेहरू नगर, भिलाई स्थित निर्मल ज्ञान मंदिर कबीर आश्रम में किया गया।

संस्था द्वारा महिला उत्थान के लिए इस वर्ष रामप्यारा पारकर स्मृति सम्मान समाजसेवी माधुरी कैवर्त को दिया गया। वे जगदलपुर में जिला अपराध एवं अनुसंधान शाखा में निरीक्षक एवं जिला प्रभारी के पद पर कार्यरत हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आरएसएस के पूर्व प्रांत प्रमुख एवं समाजसेवी बिसराराम यादव ने राम प्यारा पारकर के योगदान पर अपनी बात रखी। कहा कि राम प्यारा पारकर की जन्मभूमि ग्राम बेलोदी के हाईस्कूल का नामकरण जल्द उनके नाम पर कराए जाने की घोषणा की।

विशिष्ठ अतिथि भाजपा प्रदेश संयोजक मछुआरा प्रकोष्ठ प्रदीप कुमार कैवर्त, स्मृति नगर गृह निर्माण समिति अध्यक्ष राजीव चौबे, कबीर आश्रम नेहरू नगर के ट्रस्टी केपी साहू, प्रांतीय अध्यक्ष लोक कला एवं साहित्य संस्था सिरजन डॉ. दीनदयाल साहू ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को इस व्यक्तित्व के कार्यों का अनुसरण कर समाज सेवा के लिए अपना योगदान देना चाहिए।

वक्ताओं में कला परंपरा के डॉ. डीपी देशमुख, समाजसेवी मुन्नी लाल निषाद ने भी विचार रखे। शहर के प्रत्येक वार्ड में विकास की रफ्तार तेज

एआई ज्योतिश व भविष्यफल सेमिनार 5 जुलाई को

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। ज्योतिष विज्ञान शोध संस्थान छत्तीसगढ़ की ओर से 'एआई और ज्योतिष का सफल भविष्य या चुनौती' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार 5 जुलाई को अपरान्ह 3 बजे से सेमिनार हॉल कॉफी हॉउस भिलाई निवास में आयोजित है।

आयोजन समिति की ओर से नंदलाल चौधरी ने बताया कि महत्वपूर्ण समसामयिक विषय पर आयोजित सेमिनार में एक आचार्य ज्योतिष द्वारा उपयोगी एआई के चयन, एआई के सफलता पूर्वक उपयोग, उपयोग में बरती जाने वाली सावधानी के सम्बन्ध में जानकारी दी जाएगी।

चौधरी ने कहा कि वर्तमान में एआई के बढ़ते उपयोग से कुछ मूलभूत चिंताए सामने आ रही हैं। इनमें एआई ज्योतिष के प्रश्नों के तत्काल जवाब दे रहा है, जबकि एक विद्वान् ज्योतिष को फल कथन के लिए कुंडली में जन्मविवरण डालने, आकलन कर विश्लेषण करने में व गणना कर फलकथन में समय लगना स्वाभाविक है।

ऐसे में इस गंभीर विषय पर चिंतन के लिए यह सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। इस सेमिनार में देश/राज्य/जिले के ज्योतिष भाग ले सकते है। सेमिनार स्थल की क्षमता बहुत सीमित है, इसलिए पूर्व पंजीयन आवश्यक है।

दुर्ग में अग्रसेन चौक से हटाए गए यातायात बाधित करने वाले ठेले और खोमचे

दोबारा सड़क घेरा तो जब्त होगा सामान, लगेगा जुर्माना

- आयुक्त के निर्देश पर निगम का अभियान तेज
- शहर भर में जारी रहेगी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से निगम प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में शनिवार को आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर अग्रसेन चौक एवं उसके आसपास सड़क एवं आवागमन क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित किए जा रहे ठेले–खोमचों को हटाने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर के नेतृत्व में निगम अमले एवं पुलिस बल की मौजूदगी में संपन्न हुई। अभियान के दौरान सड़क किनारे एवं चौक क्षेत्र में यातायात बाधित कर रहे सभी ठेले–खोमचों को हटवाया गया, जिससे आवागमन सुचारू हो सके तथा नागरिकों को जाम एवं असुविधा से राहत मिल सके।

कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर ने संबंधित ठेला संचालकों एवं व्यापारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि सार्वजनिक सड़क, चौक एवं आवागमन क्षेत्र में दोबारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर यातायात व्यवस्था बाधित न करें। यदि भविष्य में पुनः अतिक्रमण करते पाए गए तो निगम द्वारा सामान जब्त करने के साथ–साथ नियमानुसार जुर्माना एवं कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाना तथा नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है। निगम प्रशासन द्वारा प्रमुख चौक–चौराहों, बाजार क्षेत्रों एवं व्यस्त मार्गों पर नियमित निगरानी रखी जा रही है। शहर में अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थलों एवं सड़क मार्गों पर अतिक्रमण न करें तथा शहर को व्यवस्थित, स्वच्छ और यातायात बाधा मुक्त बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

पर्यावरण क्रिकेट : फाइनल में दुर्ग यूनाइटेड की जीत

भिलाई। शिवराम दुर्गा उत्सव समिति ने पर्यावरण क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन किया। प्रदेशभर से 12 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में दुर्ग यूनाइटेड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब को अपने नाम किया। जबकि सारबर टीम उपविजेता रही, तीसरे स्थान पर नंदिनी एवेंजर्स रही। विजेता टीम को 3,50,000 रुपए, उपविजेता टीम को 2,50,000 और तीसरे स्थान पाने वाली टीम को 60,000 रुपए पुरस्कार के रूप में प्रदान किए गए। इसके अलावा खिलाड़ियों को व्यक्तिगत श्रेणी में भी सम्मानित किया गया। मैन ऑफ द मैच और बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार तरुण यादव को मिला। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में आकाश को बेस्ट बॉलर और गोपी पटेल को बेस्ट ऑलराउंडर चुना गया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

वायरल ऑडियो प्रकरण में संविदा व्यायाम शिक्षक की सेवा समाप्त

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नवागढ़ में पदस्थ संविदा व्यायाम शिक्षक नलसाय दिवाकर की सेवा समाप्त कर दी गई है। यह कार्रवाई समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया में प्रसारित वायरल ऑडियो से जुड़े प्रकरण की जांच एवं स्पष्टीकरण के उपरांत की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि वायरल ऑडियो के संबंध में दिवाकर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर उनका स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया था। मामले की जांच अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जांजगीर द्वारा की गई। जांच प्रतिवेदन एवं प्रस्तुत स्पष्टीकरण का परीक्षण करने पर उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। जांच में पाए गए तथ्यों के आधार पर दिवाकर का आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-03 के विपरीत पाया गया। इसके फलस्वरूप छत्तीसगढ़ संविदा नियुक्ति नियम, 2012 के नियम 09(7) के तहत कार्रवाई करते हुए उनकी संविदा सेवा समाप्त कर दी गई है। जिला शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि शासकीय सेवकों के लिए निर्धारित आचरण नियमों के उल्लंघन के मामलों में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुनर्वासित युवाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा कवच को मिली मजबूती

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन में जिले के पुनर्वासित युवाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पुनर्वास केंद्र बीजापुर में विशेष शिविर आयोजित कर 89 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इस अभियान का उद्देश्य पुनर्वास केंद्र में रह रहे युवाओं एवं अन्य हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। आयुष्मान कार्ड बनने से पात्र हितग्राही आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर के दौरान हितग्राहियों का पंजीयन कर आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया तथा पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड तैयार किए।

खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर कृषि विभाग सक्रिय

बेमेतरा। आगामी खरीफसीजन 2026 की तैयारियों को लेकर कृषि विभाग ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में संयुक्त संचालक कृषि गोपिका गबेल ने आज कृषि विभाग, बेमेतरा के समस्त कृषि अधिकारियों की बैठक लेकर खरीफसीजन की तैयारियों एवं कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उप संचालक कृषि श्री मोरध्वज डडसेना भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संयुक्त संचालक कृषि श्रीमती गबेल ने अधिकारियों को किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीफसीजन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। खरीफफसलों के रकबा विस्तार, उन्नत कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को लक्ष्य आधारित कार्य करने के निर्देश दिए।

सीएम की तारीफ का असर: सोशल मीडिया पर वीडियो देख रायपुर से जीपीएम पहुंचे ग्राहक, खरीदा 50 किलो विष्णु भोग चावल

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सराहा था स्थानीय उत्पाद, बाजार में बढ़ी सुगंधित पारंपरिक चावल की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा छत्तीसगढ़ के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के प्रयासों का असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के पारंपरिक विष्णु भोग चावल की तारीफ किए जाने के बाद इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। हालत यह है कि अब जिले के बाहर से भी लोग इस विशेष सुगंधित चावल को खरीदने के लिए उत्पादकों तक सीधे पहुंच रहे हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मरवाही विकासखंड की ग्राम पंचायत निमधा में आयोजित जनचौपाल के दौरान स्थानीय किसानों और महिला समूहों द्वारा उपजाए गए विष्णु भोग चावल की विशेष सराहना की थी।

मुख्यमंत्री के इस संबोधन का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। इसी वीडियो को देखकर रायपुर निवासी अजय कुमार इस पारंपरिक चावल की विशेषताओं और गुणवत्ता से इतने प्रभावित हुए कि वे अपने साथियों के साथ सीधे गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले पहुंच गए। जिले में पहुंचे इन ग्राहकों ने कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन की विशेष उपस्थिति में तिपान महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से सीधे 50 किलोग्राम विष्णु भोग चावल की खरीदी की।

इस खरीदी की कुल कीमत 7 हजार रुपये रही। रायपुर से आए ग्राहकों ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा उत्पाद की तारीफ किए जाने के बाद ही उनकी रुचि इस चावल के प्रति जगी थी और वे खुद इसकी सुगंध और स्वाद का अनुभव करना चाहते थे। उन्होंने भविष्य में भी इस चावल की खरीदी जारी रखने की बात कही। इस मौके पर तिपान महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की राज्य सरकार की नीति रंग ला रही है। इससे किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों और उत्पादक संगठनों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है और उनके लिए बाजार के नए रास्ते खुल रहे हैं।

कृषि समृद्धि का नया प्रतीक बना विष्णु भोग

अपनी विशिष्ट सुगंध, बेहतरीन स्वाद और उच्च गुणवत्ता के लिए पहचाना जाने वाला विष्णु भोग चावल अब सिर्फ एक स्थानीय फसल नहीं, बल्कि जिले की कृषि समृद्धि और महिला उद्यमिता का एक सफल ब्रांड बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री की इस अनूठी पहल से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीदें काफी मजबूत हो गई हैं।

धौरपुर में 4.49 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरगुजा जिले के विकासखंड लुण्ड्रा अंतर्गत ग्राम धौरपुर में 4 करोड़ 49 लाख 45 हजार रुपये की लागत से निर्मित होने वाले नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक मिंज द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमि पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य युगल किशोर कुजूर सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

अपने संबोधन में विधायक मिंज ने कहा कि नवीन महाविद्यालय भवन का निर्माण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह भवन केवल एक आधारभूत संरचना नहीं, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकेंगे और समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उन्होंने बताया कि भवन में आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के साथ प्रयोगशाला, पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएं तथा छात्राओं के लिए पृथक शौचालय जैसी व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी। इससे धौरपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

विधायक ने शिक्षकों से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का आग्रह करते हुए ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों से महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता, सुरक्षा एवं हरित वातावरण बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

अत्याधुनिक हैंड हेल्ड एक्स-रे तकनीक से तेज हुई टीबी मरीजों की पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अत्याधुनिक हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीनों के माध्यम से संभावित टीबी मरीजों की पहचान का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर स्वास्थ्य टीमें उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की जांच कर रही हैं, जिससे समय रहते रोग की पहचान और उपचार सुनिश्चित हो सके।

भारत सरकार के टीबी मुक्त भारत 100 दिवसीय विशेष अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग, डिजिटल एक्स-रे जांच तथा आवश्यकतानुसार ट्रू-नॉट तकनीक से पुष्टि की जा रही है। इससे टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान कर उपचार प्रारंभ करने में मदद मिल रही है।

बलरामपुर जिले में संचालित विशेष अभियान के दौरान अब तक 90 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया है। इन शिविरों में 7,679 उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की जांच की गई। स्क्रीनिंग के दौरान 2,442 व्यक्तियों के एक्स-रे में असामान्यताएं पाई गईं, जिनके स्यूटम नमूनों की ट्रू-नॉट मशीन के माध्यम से जांच की जा रही है। जांच में टीबी की पुष्टि होने पर मरीजों को तत्काल उपचार से जोड़ा जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के निर्माण के लक्ष्य के साथ गांव-गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। विभाग का मानना है कि आधुनिक तकनीक और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को तेजी से हासिल किया जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, बलगम या खून के साथ खांसी, सीने में दर्द, सांस लेने में परेशानी, वजन में कमी, भूख न लगना, रात में बुखार या लगातार कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दें तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर तुरंत जांच कराएं।

पानी की समस्या से मिली राहत, बैगा बसाहट कोहकाझोरी में स्थापित हुआ नया हैंडपंप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खैरागढ़ जिले के विकासखंड छुईखदान के ग्राम गर्रा स्थित बैगा बसाहट कोहकाझोरी में पेयजल समस्या का समाधान होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से पेयजल की समस्या का सामना कर रहे बसाहट के ग्रामीणों ने ग्राम के पंचगणों के साथ जिला कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को अपनी समस्या से अवगत कराया था। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निर्देश के बाद विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पेयजल समस्या के निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की।

कलेक्टर के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कोहकाझोरी बैगा बसाहट में नवीन नलकूप का खनन कर हैंडपंप स्थापित किया गया। हैंडपंप स्थापना के बाद क्षेत्र में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है, जिससे ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही

समस्या का समाधान हो सका है। नए हैंडपंप के शुरू होने से अब ग्रामीणों को पानी के लिए दूरस्थ स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को राहत मिली है, जिन्हें पहले पेयजल की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त समय और श्रम लगाना पड़ता था।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा स्थापित हैंडपंप से वर्तमान में कोहकाझोरी बैगा बसाहट के सभी परिवारों को नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। पेयजल व्यवस्था सुचारू होने से ग्रामीणों की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति सहज रूप से हो रही है।

सड़क बनी विकास की राहः एंचोडा के ग्रामीणों को मिली आवागमन की बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखंड अंतर्गत एल-051 टी-05 से एंचोडा तक निर्मित 8.50 किलोमीटर सड़क ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आई है। वर्ष 2018-19 में स्वीकृत इस परियोजना के तहत 8.50 किलोमीटर मिट्टीकरण एवं मुरूमीकरण सड़क तथा 4 पुलियों का निर्माण किया गया है। कार्य अंतिम चरण में है और इसके जून माह में पूर्ण होने की संभावना है।

सड़क निर्माण से पहले एंचोडा और आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन के लिए पगडंडियों, जंगल के रास्तों और कच्चे मार्गों पर निर्भर रहना पड़ता था। बरसात के मौसम में कीचड़ और जलभराव के कारण स्थिति और अधिक कठिन हो जाती थी।

स्कूली बच्चों को विद्यालय पहुंचने में परेशानी होती थी। मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाना चुनौतीपूर्ण था। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने और आवश्यक सामग्री लाने में अतिरिक्त समय और खर्च करना पड़ता था। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को भी गांव तक पहुंचने में कठिनाई होती थी।

नई सड़क बनने के बाद एंचोडा का संपर्क मुख्य मार्ग, बाजार, स्वास्थ्य केंद्र और विकासखंड मुख्यालय से सीधे जुड़ गया है। अब ग्रामीण कम समय में अपनी आवश्यकताओं के लिए मुख्यालय तक पहुंच पा रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए स्कूल जाना आसान हुआ है, किसानों को अपनी कृषि उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिल रही है और जरूरत पड़ने पर मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो पा रही हैं।

सड़क निर्माण का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिला है। अब वे अपनी फसल और अन्य कृषि उत्पाद आसानी से बाजार तक पहुंचा पा रहे हैं। परिवहन लागत कम हुई है और समय की बचत भी हो रही है। राशन, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और अन्य आवश्यक सेवाएं भी अब पहले की तुलना में अधिक सुलभ हो गई हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से गांव के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई दिशा मिली है। शासन-प्रशासन की पहुंच बढ़ने से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी समय पर ग्रामीणों तक पहुंच रहा है। एंचोडा तक पहुंची यह सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं है, बल्कि यह गांव के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि की नई राह बन गई है। यह परियोजना ग्रामीण अधोसंरचना विकास के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

जनभागीदारी से जल संरक्षण का जनआंदोलन बना मोर गाँव, मोर पानी महाअभियान

एक दिन में निर्मित हुए 2000 जल संरक्षण मॉडल, ग्रामीणों ने श्रमदान से रचा नया उदाहरण, वर्षा जल संचयन, भूजल संवर्धन और जल सुरक्षा की दिशा में राज्य शासन की अभिनव पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन द्वारा जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और आगामी मानसून में अधिकाधिक वर्षा जल संचयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित मोर गाँव, मोर पानी महाअभियान को प्रदेशभर में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जनसहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कर जल सुरक्षा की मजबूत नींव रखी जा रही है।

इसी क्रम में बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड में जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई, जहां ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं और पंचायत स्तरीय अमले के सामूहिक प्रयास से एक ही दिन में 2000 नग 5 प्रतिशत मॉडल जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया।

यह पहल जल संरक्षण के प्रति समाज की बढ़ती जागरूकता और सहभागिता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है।अभियान में ग्राम पंचायतों के

सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने श्रमदान कर सक्रिय भूमिका निभाई। सामूहिक प्रयासों से निर्मित इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का अधिकतम संचयन संभव होगा, जिससे भूजल स्तर में सुधार आने के साथ-साथ किसानों और ग्रामीणों को दीर्घकालिक जल सुरक्षा का लाभ मिलेगा।

राज्य शासन के मार्गदर्शन में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायतों का क्लस्टर बनाकर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और प्रगति की सतत समीक्षा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, जिससे अभियान के उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति हो सके।

मोर गाँव, मोर पानी महाअभियान केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण समुदायों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, सामुदायिक जिम्मेदारी और सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी सशक्त माध्यम बन रहा है। राज्य शासन और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से यह अभियान प्रदेश में जल संरक्षण की नई संस्कृति विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आगामी मानसून को देखते हुए प्रदेशभर में जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, वर्षा जल संचयन और भूजल संवर्धन संबंधी गतिविधियों को गति दी जा रही है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

सोशल मीडिया के दबाव पर छलका कृति खरबंदा का दर्द

बोलीं- खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे युवा

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया के कारण युवाओं पर बढ़ रहे मानसिक और भावनात्मक दबाव को लेकर चिंता जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर करते हुए बताया कि हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात कुछ ऐसे युवाओं से हुई, जो इस डिजिटल दुनिया के दबाव में बुरी तरह फंसे हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, आज मैं कुछ लोगों से मिली। वे सभी भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक रूप से बुरी तरह थके हुए थे। काम बहुत मुश्किल और अनिश्चित भरा था। वे सभी सोशल मीडिया पर मौजूद रहने और उसे बनाए रखने के दबाव के बारे में शिकायत कर रहे थे।

उन सभी लोगों के मन में बड़े-बड़े सपने हैं और उन्हें पूरा करने का जज्बा भी, लेकिन सोशल मीडिया इसमें रुकावट बनता रहता है। इस बीच, मैंने एक बात महसूस की कि उन सभी में एक बात समान थी कि वे इंटरनेट पर लगातार एक्टिव रहने और खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे हुए थे। अभिनेत्री ने आगे लिखा, युवा लगातार दूसरों से अपनी तुलना कर रहे हैं। वे न चाहते हुए भी बस कुछ न कुछ पोस्ट करने के दबाव में जी रहे हैं।

इनमें से कई लोग अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया से दूर रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें डर था कि ऐसा करने से वे दूसरों की नजरों से कम आकर्षक लगने लगेंगे।

इस बात पर दुख जताते हुए कृति ने लिखा, यह देखकर मेरा दिल बैठ गया। काश लोग समझ पाते कि सोशल मीडिया जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है, पूरी जिंदगी नहीं। अगर सोशल मीडिया न भी हो, तब भी एक खूबसूरत और सुकूनभरी जिंदगी जी जा सकती है।

कृति ने युवाओं से अपनी मानसिक शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लिखा, हमें अपनी निजी बातें शेयर न करने और लोगों को अपनी जिंदगी में शामिल न करने को पूरी तरह नॉर्मल मानना चाहिए। किसी भी इंसान की कीमत उसके सोशल मीडिया एकाउंट से तय नहीं होनी चाहिए। मुझे पता है कि यह शायद शिकायत जैसा लग रहा है, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बहुत से लोग ऐसा ही सोच रहे हैं।

टीवी के बाद टाइपकास्टिंग से बाहर निकलने और खुद को एक कलाकार के रूप में नए तरीके से साबित करने पर बोलीं हेली शाह

टेलीविजन से दूसरे माध्यमों की ओर कदम बढ़ाने वाले कलाकारों के लिए पहले से बनी धारणाओं को तोडऩा अक्सर सबसे बड़ी चुनौती होती है। हाल ही में हेली शाह ने टीवी के बाद टाइपकास्टिंग का सामना करने और किस तरह वह अब लोकप्रियता से ज्यादा सार्थक काम पर ध्यान दे रही हैं, इस बारे में खुलकर बात की।

टेलीविजन के जरिए मजबूत फैन फॉलोइंग बनाने वाली हेली मानती हैं कि नए फॉर्मेट्स में काम करने के बाद भी टीवी एक्ट्रेस का टैग कई कलाकारों का पीछा नहीं छोड़ता, लेकिन एक सच यह भी है कि सही मौके और लगातार अच्छे प्रदर्शन से, धीरे-धीरे आप लोगों की सोच बदल सकते हैं।

अपने सफर के बारे में बात करते हुए हेली कहती हैं, मैं कई सालों तक टेलीविजन का हिस्सा रही हूं और इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। यह मेरा कम्फर्ट ज़ोन रहा है। लेकिन मैं नए अवसरों को भी तलाशना चाहती हूं, क्योंकि अक्सर मुझे सिर्फ एक टीवी एक्ट्रेस के रूप में देखा गया है।

गुल्लक जैसी शानदार कास्ट के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। मैं हमेशा से टीवीएफ के साथ काम करना चाहती थी और गुल्लक' के जरिए मेरा ओटीटी डेब्यू होना इसे और भी खास बनाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शो की सादगी और वास्तविकता आज भी बरकरार है, और दर्शक हर सीजन से उसी तरह जुड़ाव महसूस करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, फिलहाल मेरा फोकस सिर्फ अच्छा काम करने पर है। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां बिना किसी वजह के सिर्फ दिखने के लिए मैं इवेंट्स में जाऊं। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे मेरे काम की वजह से जानें और पसंद करें।

गौरतलब है कि गुल्लक' हेली शाह के करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो रहा है। वह इसे अपने रचनात्मक दायरे को बढ़ाने और एक कलाकार के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने की दिशा में अहम कदम मानती हैं। दर्शकों का लगातार मिल रहा प्यार इस बात का संकेत है कि इंडस्ट्री में अब कलाकारों की पहचान सिर्फ टैग्स से नहीं, बल्कि उनके काम और प्रतिभा से तय होने लगी है।

हैंड ब्लेंडर से आप झटपट बना सकते हैं ये व्यंजन, स्वाद में होते हैं लाजवाब

हैंड ब्लेंडर एक ऐसा रसोई उपकरण है, जो आपके खाना पकाने के अनुभव को काफी आसान और मजेदार बना सकता है। यह उपकरण खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो कम समय में स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाना चाहते हैं। आइए आज हम आपको ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप आसानी से हैंड ब्लेंडर से बना सकते हैं। ये जल्दी बन जाते हैं और सभी को पसंद भी आते हैं।

आम रस

गर्मी के साथ-साथ आम का सीजन भी चल रहा है। इस दौरान आप लजीज आम रस का स्वाद चख सकते हैं, जो हैंड ब्लेंडर से आसानी से बन जाएगा। इसे बनाने के लिए पहले ताजा आम की गुठली अलग करें और उन्हें हैंड ब्लेंडर से पीस लें। अब इस मलाईदार मिश्रण में इलायची पाउडर, चीनी, पानी और अन्य मसाले डालकर इसे परोसें। इसे आप पूड़ी के साथ खा सकते हैं या ऐसे ही पी सकते हैं।

पालक की चटनी

पालक की चटनी एक सेहतमंद और स्वादिष्ट चटनी है, जिसे आप चावल या रोटी के साथ खा सकते हैं। इसके लिए आपको ताजा पालक की पत्तियों, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, नमक और नींबू का रस चाहिए होंगी। सभी सामग्रियों को अपने हैंड ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। यह चटनी खाने का स्वाद बढ़ाएगी और सेहत के लिए भी फायदेमंद होगी।

आम का पन्ना

गर्मियों में आम का पन्ना एक बेहतरीन पेय है, जो आपको तरोताजा रखता है। इसके लिए कच्चे आम को उबालकर उसका गूदा निकाल लें। फिर इसमें पुदीना, काला नमक, जीरा पाउडर और चीनी डालकर हैंड ब्लेंडर से मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। इसे ठंडा करके परोसें और बर्फ डालकर इसके स्वाद को और बढ़ा दें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि आपको गर्मी से भी राहत दे सकता है।

मूंगफली की चटनी

मूंगफली की चटनी दक्षिण भारत के व्यंजनों में बहुत लोकप्रिय है। इसे बनाने के लिए भुनी हुई मूंगफली, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक चाहिए। सभी सामग्री को हैंड ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। यह चटनी इडली, डोसा या किसी भी स्नैक के साथ बहुत अच्छी लगती है। इसका अनोखा स्वाद आपके खाने का मजा बढ़ा देगा और हर व्यंजन के साथ अच्छा लगेगा।

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं, फिल्म के विजन के अनुसार खुद को ढालती हूं: शीना चौहान

अपकमिंग फिल्म अर्जुनैन अल्लिरानी में 'रानी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं।

शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को खाली पन्ने की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे।

शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे।

उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था। इसके अलावा, पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए उन्होंने एक महिला पुलिसकर्मी के कामकाज और अनुशासन को भी नजदीक से देखा था।

बर्तन धोने के लिए स्टील, प्लास्टिक या स्पंज वाला स्क्रबर? जानिए कौन-सा है सही विकल्प

बर्तन धोने के लिए स्क्रबर का इस्तेमाल करना आम है, लेकिन सही स्क्रबर का चयन करना जरूरी है। बाजार में स्टील, प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। इन तीनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। इस लेख में हम इन तीनों स्क्रबर के बारे में विस्तार से जानेंगे, ताकि आप अपने बर्तनों को सही तरीके से धो सकें और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकें। आइए जानते हैं किसका चयन सबसे सही है।

कब करना चाहिए स्टील स्क्रबर का इस्तेमाल?

स्टील स्क्रबर उन बर्तनों के लिए सबसे अच्छा होता है, जिनमें जिद्दी चिपचिपे दाग लग जाते हैं। यह स्क्रबर आसानी से इन दागों को हटाता है और आपके बर्तनों को चमकदार बनाता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन-स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। स्टील स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को सुरक्षित रख सके।

प्लास्टिक स्क्रबर के फायदे और नुकसान

प्लास्टिक स्क्रबर हल्के होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना आसान होता है। ये स्क्रबर छोटे-छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं और बर्तनों को अच्छे से साफकर सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबर जल्दी गंदे हो जाते हैं और इन्हें बार-बार बदलना पड़ता है। प्लास्टिक स्क्रबर का चयन करते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह साफ कर सके।

कब चुनना चाहिए स्पंज स्क्रबर?

स्पंज स्क्रबर नरम होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना बहुत आरामदायक होता है। ये स्क्रबर न केवल बर्तनों को साफकरते हैं, बल्कि उनमें खरोंच भी नहीं लगने देते। स्पंज स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह से साफकर सके। स्पंज स्क्रबर का उपयोग कांच और नॉन-स्टिक बर्तनों पर किया जा सकता है।

बर्तनों को धोने का सही तरीका

बर्तन धोते समय सबसे पहले गर्म पानी का इस्तेमाल करें, क्योंकि यह चिकनाई और गंदगी को आसानी से हटाता है। इसके बाद साबुन या बर्तन धोने वाले तरल का उपयोग करें और फिर स्क्रबर का चयन करें, जो आपके बर्तनों के प्रकार के अनुसार हो। अंत में साफ पानी से धोकर बर्तनों को सूखने दें। इस प्रक्रिया से न केवल आपके बर्तन साफ रहेंगे, बल्कि लंबे समय तक टिकाऊ भी रहेंगे।

कौन-सा स्क्रबर है ज्यादा टिकाऊ?

तीनों प्रकार के स्क्रबर अपनी-अपनी जगह पर उपयोगी होते हैं, लेकिन स्टील स्क्रबर सबसे ज्यादा टिकाऊ होता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन-स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर, दोनों ही हल्के होते हैं और छोटे-छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबरजल्दी गंदे हो जाते हैं, जबकि स्पंज स्क्रबर अधिक आरामदायक होते हैं। सही स्क्रबर का चयन आपके बर्तनों को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकता है।

अटल विहार बना आदर्श आवासीय परिसर : पक्की सड़कें, आधुनिक आधारभूत सुविधाएं और हर आय वर्ग के लिए आवास

अटल विहार योजना से 184 परिवारों को मिला आशियाना, 75.39 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है सुनियोजित आवासीय परिसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। घर केवल ईंट और सीमेंट से बना ढांचा नहीं होता, बल्कि वह परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की नींव होता है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी अटल विहार योजना ने कोरबा जिले के सैकड़ों परिवारों के लिए इस सपने को साकार कर दिखाया है। अपने घर का सपना संजोए अनेक परिवार आज कोरबा नगरीय क्षेत्र के झगरहा में विकसित अटल विहार कॉलोनी में आत्मविश्वास और संतोष के साथ जीवन बिता रहे हैं।

यह आवासीय परिसर आज इस बात का प्रमाण है कि सुनियोजित आवास केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का आधार भी बनता है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा 75 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से 19 एकड़ में यह आवासीय परियोजना विकसित की गई है। विभिन्न आय वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यहां कुल 335 स्वतंत्र आवासों एवं फ्लैट भवनों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। जिसमें 50 एच.आई.जी., 18 सीनियर एम.आई.जी., 32 जूनियर एम.आई.जी., 75 एल.आई.जी. तथा 160 ई.डब्ल्यू.एस. आवासों सहित प्रकोष्ठ भवन का निर्माण शामिल है।

परियोजना के अंतर्गत अब तक 305 भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है और उनका चरणबद्ध हस्तांतरण किया जा रहा है। वर्तमान में 22 एच.आई.जी. तथा 5 सीनियर एम.आई.जी. भवनों का हस्तांतरण भी जारी है। यह उपलब्धि केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े परिवारों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

अटल विहार कॉलोनी में अब तक 184 आवास हितग्राहियों को सौंपे जा चुके हैं, जहां परिवार पिछले तीन वर्षों से शांत, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण में निवास कर रहे हैं। पक्की सड़कें, बेहतर आधारभूत सुविधाएं, नियोजित आवासीय परिसर और सामुदायिक वातावरण ने यहां के निवासियों को एक नई जीवन शैली प्रदान की है।

जिन परिवारों के लिए स्थायी आवास कभी एक चुनौती था, उनके लिए अटल विहार आज आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन का पर्याय बन चुका है। वर्तमान में कॉलोनी में एक व्यवसायिक भू-खण्ड, 4 एच.आई.जी. भवन तथा 103 ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट भवन क्रय के लिए उपलब्ध हैं, जिससे और अधिक परिवार अपने घर के सपने को वास्तविकता में बदल सकते हैं।

झगरहा स्थित अटल विहार कॉलोनी न केवल आवास निर्माण की एक महत्वपूर्ण परियोजना है, बल्कि यह राज्य सरकार की जनकल्याणकारी सोच और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की प्रतिबद्धता का सजीव उदाहरण भी है। यहां बसते परिवार इस बात के साक्षी हैं कि गुणवत्तापूर्ण आवास किस प्रकार जीवन की दिशा और दशा दोनों को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

खास खबर

रायपुर में दौड़ेंगी माइक्रो बसें, 45 दिन के ट्रायल से बदलेगी शहर की यातायात तस्वीर

रायपुर। राजधानी रायपुर में शहरी परिवहन को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए गुरुवार से 45 दिवसीय माइक्रो-बस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई। टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा और परिवहन सचिव एस. प्रकाश ने हरी झंडी दिखाकर माइक्रो बसों को रवाना किया। हमर सवारी, हमर संगवारी नाम से शुरू किए गए इस प्रायोगिक परियोजना के तहत शहर के दो प्रमुख मार्गों पर 17 से 20 सीटों वाली आठ वातानुकूलित माइक्रो बसें संचालित की जाएंगी। बसें रोजाना सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक चलेंगी और व्यस्त समय में लगभग 20 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध रहेंगी। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर की सबसे बड़ी समस्याओं में ट्रैफिक प्रमुख है। ऐसे में बड़ी बसों की तुलना में माइक्रो बसें बेहतर विकल्प साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह प्रयोग सफल रहता है तो भविष्य में शहरवासियों को सस्ता, सरल और सुलभ सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराया जा सकेगा। यह परियोजना केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के मार्गदर्शन में, छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग के सहयोग से और काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरमेंट एंड वॉटर द्वारा संचालित की जा रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी पर विशेष जोर

बेमेतरा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर की अध्यक्षता में सीएमएचओ कार्यालय सभाकक्ष में जिले के समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजरों एवं सेक्टर मेडिकल ऑफिसर्स की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, वित्तीय प्रबंधन तथा ऑनलाइन मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सीएमएचओ डॉ. रोहलेडर ने सभी अधिकारियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की गाइडलाइन के अनुरूप वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी व्ययों की बुकिंग नियमानुसार की जाए तथा लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं व्यय प्रमाण पत्र समय पर प्रस्तुत किए जाएं।

राजनांदगांव बना देश में सबसे अधिक क्षमता का सोलर कनेक्शन लगाने वाला जिला

राजनांदगांव। भारत सरकार की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एक महत्वाकांक्षी पहल है। जिसका उद्देश्य देश के हर घर तक मुफ्त बिजली पहुंचाना है। इस योजना के तहत उपभोक्ताओं के घरों में रूफ्टॉप सोलर पैनल स्थापित करना है तथा बिजली बिल मुफ्त अथवा बहुत कम करना है। भारत शासन व राज्य शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफ्टॉप सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुक्त बिजली योजना को अभूतपूर्व सफलता मिल रही है। जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के संयुक्त प्रयासों से योजना को शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाकर स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में राजनांदगांव जिला देश में सबसे अधिक क्षमता का सोलर कनेक्शन लगाने वाला जिला बन गया है।

मंत्रीलक्ष्मी राजवाड़े ने किया जनसंपर्क, समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : मंत्री राजवाड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कमलपुर, पहाड़गांव एवं पण्डोनगर का दौरा कर ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित किया। डोर-टू-डोर जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान उन्होंने घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में केंद्र एवं राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान और समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। जनसंपर्क अभियान के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्रामीणों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की और उनकी समस्याओं एवं शिकायतों की जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा सड़क, पेयजल, बिजली, आवास तथा अन्य स्थानीय आवश्यकताओं से संबंधित मुद्दे उठाए गए, जिन पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील है और प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर सतत निगरानी रखते हुए लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जनसंपर्क कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं और विकास कार्यों के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए मंत्री राजवाड़े का स्वागत किया।

कलेक्टर ने बुनकरों के केंद्र जाकर किया हथकरघा कला को प्रोत्साहन

श्रीकंचनपथ समाचार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले के हथकरघा उत्पादों को बाजार से जोड़ने और बुनकरों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से सारंगढ़-बिलाईगढ़ की कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने शुक्रवार को जिले के ग्राम डुमरपाली और सरिया तहसील के ग्राम पंचधार पहुंचकर हथकरघा बुनकरों की पारंपरिक कला का निरीक्षण किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण सम्मान से सम्मानित अरुण कुमार मेहर के बुनकरी केंद्र का अवलोकन कर उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता एवं व्यापारिक गतिविधियों की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान बुनकरों ने बताया कि उनकी संस्था में उड़िया साड़ियों का निर्माण किया जाता है, जो अपनी विशिष्ट डिजाइन, उत्कृष्ट बुनाई और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध हैं। कलेक्टर ने तैयार उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि ओड़िशा सीमा से लगे इस क्षेत्र में उड़िया साड़ियों की अच्छी मांग है तथा हथकरघा और हस्तशिल्प जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक कला को आधुनिक बाजार से जोड़कर बुनकरों की आय में वृद्धि की जा सकती है। इसके लिए बेहतर ब्रांडिंग, प्रदर्शनियों और व्यापार मंचों के माध्यम से उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार आवश्यक है।

उन्होंने बुनकरों को नई तकनीक, आधुनिक डिजाइन और बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि उनके द्वारा विकसित स्वरोजगार मॉडल से पूरे अंचल को लाभ मिलेगा।

मानसून में नहीं थमेगा राशन का पहिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में मानसून के दौरान सुदूर और दुर्गम इलाकों का संपर्क जिला मुख्यालयों से कट जाता है। भारी बारिश और उफनते नदी-नालों के बीच दूरस्थ ग्रामीणों को राशन की किल्लत न हो, इसके लिए नारायणपुर जिला प्रशासन ने एक बेहद संवेदनशील और मुस्तैद कदम उठाया है। जिले की सभी 39 पहुंचविहीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों में आगामी तीन महीनों जुलाई से सितंबर के लिए राशन का शत-प्रतिशत अग्रिम भंडारण पूरा कर लिया है।

इस व्यवस्था से बारिश के दिनों में परिवहन बाधित होने पर भी अंदरूनी और पहुंचविहीन गांवों के हितग्राहियों को एकमुश्त 'बरसाती कोटा' मिल सकेगा। कलेक्टर ने इस पूरी मुहिम को केवल कागजों तक सीमित न रखकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने भंडारित खाद्यान्न के भौतिक सत्यापन और नियमित मॉनिटरिंग के लिए दुकानवार जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। ये अधिकारी खुद घने जंगलों और दुर्गम रास्तों को पार कर इन राशन दुकानों तक पहुंच रहे हैं।

इसी कड़ी में एक जमीनी उदाहरण तब देखने को मिला जब उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने ओरछा विकासखंड के धुर अंदरूनी और पहुंचविहीन ग्राम झारावाही स्थित राशन दुकान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां तीन

महीने के लिए भंडारित किए गए अनाज के बोरों का भौतिक सत्यापन किया और वितरण रजिस्टर व सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले की सभी 39 चिन्हित पहुंचविहीन उचित मूल्य दुकानों में 100 प्रतिशत खाद्यान्न का अग्रिम भंडारण सुरक्षित रूप से कर लिया गया है। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि घोर वर्षाकाल में भी अंतिम छोर पर बैठे हर पात्र हितग्राही को समय पर उसका अधिकार (अनाज) मिले और उन्हें किसी भी प्रकार की मानसिक या शारीरिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस से बदली तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन की मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस योजना बेमेतरा जिले में किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है।

कृषि विभाग के मार्गदर्शन, उन्नत बीजों की उपलब्धता तथा वैज्ञानिक खेती तकनीकों के कारण जिले में ग्रीष्मकालीन उड़द एवं मूंग की खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है। इसका सकारात्मक परिणाम किसानों की आय, उत्पादन क्षमता तथा मृदा स्वास्थ्य में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष जहां जिले में केवल 285 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन उड़द-मूंग की खेती की गई थी, वहीं वर्ष 2026 में यह क्षेत्र बढ़कर 1191 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। इसके अंतर्गत लगभग 1000 हेक्टेयर क्षेत्र में 1280 किसानों द्वारा उड़द फसल के प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। इन प्रदर्शनों के माध्यम से किसानों ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं।

विकासखंड नवागढ़ के ग्राम हरदी निवासी कृषक श्री इंद्रकुमार ने मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन उड़द का प्रदर्शन लगाया। उन्होंने 25 अप्रैल 2026 को छिड़कवा पद्धति से उड़द की बुवाई की। वर्तमान में उनकी फसल उत्कृष्ट स्थिति में है तथा कृषि विभाग द्वारा किए गए आकलन के अनुसार उन्हें 7 से 8 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त होने की संभावना है। श्री इंद्रकुमार बताते हैं कि कृषि विभाग से प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन और उन्नत बीजों के उपयोग से फसल की बढ़वार अत्यंत अच्छी रही। ग्रीष्मकालीन मौसम में भी उड़द की सफल खेती संभव है, यह उन्होंने अपने खेत में साबित कर दिखाया है। उनके खेत का प्रदर्शन आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गया है। इसी प्रकार विकासखंड नवागढ़ के ग्राम कोरकापारा निवासी कृषक श्री शिवशंकर वर्मा ने भी योजना के अंतर्गत उड़द फसल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 09 अप्रैल 2026 को छिड़कवा पद्धति से बुवाई की। वर्तमान में उनकी फसल अच्छी अवस्था में है तथा 5 से 6 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन मिलने की संभावना है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से मिल रही त्वरित राहत

कोरबा। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण हेतु मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शुरुआत सुशासन, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त जनशिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण कर आमजन को राहत पहुंचाई जा रही है। शासन की संवेदनशील पहल के तहत नागरिकों की समस्याओं पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों द्वारा मौके पर समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखण्ड पाली के ग्राम पोलमी निवासी गौरीबाई के पास राशन कार्ड नहीं होने के कारण विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

80 से अधिक प्रजातियों की पहचान, वैद्यों और छात्रों ने ली भागीदारी

देवपुर में औषधीय वनस्पतियों पर एक दिवसीय बॉटनाइजेशन कार्यशाला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलौदाबाजार- भाटापारा जिले के वनमंडल बलौदाबाजार के देवपुर परिक्षेत्र में शुक्रवार को औषधीय वनस्पतियों की पहचान और महत्व पर केंद्रित एक दिवसीय बॉटनाइजेशन कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वन क्षेत्र में उपलब्ध औषधीय पौधों की पहचान कराना, छाल, पत्ती, तना, जड़, फल एवं फूल के आधार पर वर्गीकरण सिखाना तथा उनके औषधीय महत्व की जानकारी देना था।

कार्यक्रम में अर्जुन, आंवला, बहेड़ा, बेल, काली मुसली, हाथीपांव, दूधी, भुईनीम, सतावर, खरहर, ठेलका, नरनारी, गरुड़ सहित लगभग 80 औषधीय वनस्पति प्रजातियों की पहचान कराई गई। विशेषज्ञों ने इन प्रजातियों के पर्यावरणीय व्यवहार, संरक्षण की आवश्यकता और फल, फूल, पत्ती, जड़ आदि के माध्यम से विभिन्न रोगों के उपचार में उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। स्वस्थ, निरोग और दीर्घायु जीवनशैली के लिए प्रकृति आधारित ज्ञान के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

वैद्यों से लेकर छात्रों तक की भागीदारी: कार्यशाला में वनमंडल बलौदाबाजार, वनमंडल कवर्धा और उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही पारंपरिक वनौषधीय ज्ञान रखने वाले वैद्यगण, वन प्रबंधन समिति के सदस्य, बारनवापारा के गाइड्स और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वन मंडल अधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर ने कहा कि कार्यशाला का मकसद केवल औषधीय ज्ञान का प्रसार नहीं था, इसका उद्देश्य इस ज्ञान को समाज के अधिक लोगों तक पहुंचाकर वृक्षों एवं वनस्पतियों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण में जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना भी है।

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171132

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

मंदिर के पास से बाइक उड़ाने वाला चोर गिरफ्तार

दुर्ग। धमधा क्षेत्र में कलश मंदिर के पास खड़ी मोटरसाइकिल चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने वाहन मालिक की एक छोटी सी लापरवाही का फ़ायदा उठाकर बाइक चोरी की थी, लेकिन पुलिस की त्वरित जांच के चलते वह ज्यादा दिनों तक कानून से बच नहीं सका। पुलिस के अनुसार 5 जून 2026 को एक व्यक्ति अपनी हीरो डिलक्स मोटरसाइकिल से ग्राम बिरझापुर से धमधा आया था। शाम करीब 6 बजे उसने कलश मंदिर के पास अपनी बाइक चाबी लगी अवस्था में खड़ी की और खेत की ओर चला गया। करीब 15 मिनट बाद लौटने पर मोटरसाइकिल वहां से गायब थी। काफी तलाश के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं मिलने पर पीड़ित ने थाना धमधा में शिकायत दर्ज कराई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली। पूछताछ में आरोपी अजेन्द्र मिश्रा (35 वर्ष) ने मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर चोरी गई हीरो डिलक्स मोटरसाइकिल ग्राम परसबोड़ स्थित एक नर्सरी के पास से बरामद कर ली गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

एम्बुलेंस चालक पर हमला करने वाले 3 आरोपी हुए गिरफ्तार

धमतरी। धमतरी जिले में मानवता की सेवा में लगी एम्बुलेंस पर हमला करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना 8 जून की है, जब उमरदा गौठान के पास एक सड़क हादसा हुआ था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिलने पर वंदे मातरम परिवार समिति की एम्बुलेंस मौके पर राहत कार्य के लिए पहुंची थी। एम्बुलेंस चालक राधेश्याम निर्मलकर भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने एम्बुलेंस के देर से पहुंचने की बात को लेकर चालक से विवाद शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने चालक के साथ गाली-गलौच की, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया। हमले में एम्बुलेंस के सामने का शीशा, बोनट, एंटीगेटर और अन्य हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। इस हमले के बाद एम्बुलेंस सेवा में बाधा उत्पन्न हुई और क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। घटना के बाद पीड़ित चालक ने थाना कुरूद में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रार्थी और गवाहों के बयान दर्ज किए, घटनास्थल का निरीक्षण किया। गिरफ्तार आरोपियों में रमन दीवान, तामेश्वर पटेल और फनेन्द्र उर्फ विक्की चंद्राकर शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को ले गया पुणे पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार

मुंगेली। नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर भगाने और शादी का झांसा देकर उसका दैहिक शोषण करने के आरोप में मुंगेली पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने पीड़ित बालिका को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। मामले की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस के अनुसार, जनवरी 2026 में एक व्यक्ति ने थाना सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। जांच के दौरान मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को पता चला कि बालिका ग्राम बैगाकापा निवासी रामेश्वर साहू के पास है। विवेचना में यह सामने आया कि आरोपी रामेश्वर साहू (18 वर्ष) ने नाबालिग होने की जानकारी के बावजूद उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ पुणे ले गया और वहां उसका दैहिक शोषण किया।

साइबर ठगी कर रकम म्यूल अकाउंट में ट्रांसफर कर अवैध लेन-देन करने वाले 15 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के मोहन नगर पुलिस ने साइबर ठगी से प्राप्त राशि को विभिन्न म्यूल बैंक खातों में स्थानांतरित कर अवैध लेन देन करने वाले 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कोटक महिंद्रा बैंक के खातों का उपयोग कर ठगी की राशि का लेन-देन चल रहा था। 2024 से 2026 के मध्य इन खातों में संदिग्ध ट्रांजेक्शन एवं राशि के हस्तांतरण की जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में धारा 318(4), 317(2) तहत कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल एवं प्राप्त शिकायतों के आधार पर थाना मोहन नगर क्षेत्रांतर्गत संचालित कोटक महिंद्रा बैंक के विभिन्न खातों की जांच की गई। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित बैंक खातों में साइबर ठगी से प्राप्त राशि जमा की गई तथा खाताधारकों द्वारा उक्त खातों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वित्तीय लेन-देन कर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित किया गया।

विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि खाताधारकों ने स्वयं अथवा अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर अपने बैंक खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त राशि के हस्तांतरण एवं अवैध धन के लेन-देन के लिए किया।

पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर थाना मोहन नगर में धारा 318(4), 317(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना मोहन नगर की पुलिस टीम, साइबर सेल एवं विवेचना अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रकरण में तकनीकी विश्लेषण एवं बैंकिंग दस्तावेजों के परीक्षण के आधार पर आरोपियों की पहचान कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक, मोबाइल नंबर अथवा इंटरनेट बैंकिंग सुविधा उपयोग हेतु उपलब्ध न कराएं। बैंक खातों का दुरुपयोग साइबर अपराधों में किए जाने पर संबंधित खाताधारक के विरुद्ध भी वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है। किसी भी साइबर ठगी की सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा नजदीकी पुलिस थाना में दें।

आरोपियों के नाम

पीयूष डडसेना, उम्र 19 वर्ष, निवासी आदित्य नगर, दुर्ग।
साहिल खान, उम्र 23 वर्ष, निवासी ऋषभ साउथ सिटी, पोटिया, दुर्ग।
खुशी झा, उम्र 21 वर्ष, निवासी बांबे आवास, वैशाली नगर, भिलाई।
मोहम्मद फरान, उम्र 22 वर्ष, निवासी अयप्पा नगर, भिलाई।
अभिजीत कुमार, उम्र 25 वर्ष, निवासी सेक्टर-05, भिलाई।
आदित्य रजक, उम्र 21 वर्ष, निवासी शक्ति विहार, रिसाली।
आशीष चंद्राकर, उम्र 30 वर्ष, निवासी मीनाक्षी नगर, दुर्ग।
निखिल साहू, उम्र 19 वर्ष, निवासी पुरानी बस्ती, कुरूद, जामुल।
रितेश मसीह, उम्र 19 वर्ष, निवासी विश्व बैंक कॉलोनी, भिलाई-03।
मो. सोहेल, उम्र 24 वर्ष, निवासी जलेबी चौक, भिलाई।
निकिता चौहान, उम्र 23 वर्ष, निवासी शास्त्री नगर, सुपेला, भिलाई।
शुभा सेंगर, उम्र 38 वर्ष, निवासी हुडको, भिलाई।
शिवम पांडेय, उम्र 27 वर्ष, निवासी 32 एकड़ हाउसिंग बोर्ड, भिलाई।
रितेश देवांगन, उम्र 21 वर्ष, निवासी शिवाजी नगर, कोहका।
रणधीर झा, उम्र 52 वर्ष, निवासी बांबे आवास, वैशाली नगर, भिलाई।

म्यूल एकाउंट उपलब्ध कराने वाले तीन गिरफ्तार

भिलाई। भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल एवं पुलिस मुख्यालय से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना नेवई क्षेत्रांतर्गत संचालित केनरा बैंक के खातों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान यह पाया गया कि विभिन्न साइबर ठगी प्रकरणों में प्रयुक्त रकम कुछ संदिग्ध खातों में प्राप्त हुई थी, जो म्यूल खातों की श्रेणी में आते हैं। जांच में यह तथ्य सामने आया कि वर्ष 2024 से वर्ष 2026 के मध्य इन खातों के माध्यम से साइबर ठगी से प्राप्त राशि को प्राप्त कर अन्य खातों में स्थानांतरित एवं आहरित किया गया, जिससे अवैध आर्थिक लाभ अर्जित किया गया। जांच उपरांत 99 संदिग्ध खाताधारकों के धारा 318(2), 318(3), 318(4) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

पुलिस ने इस मामले में पवन दास मानिकपुरी, करण रंगारी और नरेंद्र कुमार साहू को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपने बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड एवं मोबाइल सिम अन्य व्यक्तियों को साइबर ठगी से संबंधित अवैध आर्थिक लेन-देन के लिए उपलब्ध कराना स्वीकार किया गया। इसके बदले उन्हें आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ था। इस कार्यवाही में एसीसीयू टीम एवं थाना नेवई से निरीक्षक अनिल कुमार साहू, आरक्षक रवि बिसाई एवं आरक्षक प्यारे लाल की सराहनीय भूमिका रही।

कलेक्ट्रेट परिसर में चोरीः आधार केन्द्र का ताला तोड़कर की नगदी पार, लाखों का सामान सुरक्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले कलेक्ट्रेट परिसर में चोरी की वारदात सामने आने से प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। अज्ञात चोरों ने कलेक्टर परिसर स्थित ज्वाइंट डायरेक्टर (अकाउंट, ट्रेजरी एवं पेंशन) विवेक मिश्रा के कार्यालय और लोक सेवा आधार केंद्र का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चोरों ने आधार केंद्र से करीब 6 से 7 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। हालांकि मौके पर मौजूद लाखों रुपये मूल्य के उपकरणों को हाथ नहीं लगाया। बताया जा रहा है कि आधार केंद्र में रखी लगभग 7 लाख रुपये कीमत की मशीनें और अन्य उपकरण सुरक्षित मिले हैं जिससे प्रतीत होता है कि उनका निशाना केवल नकदी थी।

इसके बाद चोरों ने सामने स्थित ज्वाइंट डायरेक्टर (अकाउंट, ट्रेजरी एवं पेंशन) विवेक मिश्रा के कार्यालय का ताला भी तोड़ दिया। कार्यालय के भीतर रखी फाइलों और दस्तावेजों को खंगाला गया तथा सामान बिखेर दिया गया। बताया जा रहा है कि कार्यालय के बाहर लिखे कोष शब्द को देखकर चोरों को वहां नकदी होने की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

चोरी की यह वारदात इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है क्योंकि घटना सीधे कलेक्टर परिसर के भीतर हुई है, जिसे आमतौर पर सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का दावा कर रही है। फिलहाल इस दुस्साहसी चोरी की चर्चा पूरे जिले में बनी हुई है।

दूसरे के नाम पर आईफोन से एसी तक कराया फाइनेंस किस्तें बंद कर लगाया लाखों की चपत, आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। आसान फाइनेंस सुविधा का दुरुपयोग कर दूसरे व्यक्ति के नाम पर महंगे मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने वाले आरोपी को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक परिचित के नाम का इस्तेमाल करते हुए विभिन्न फाइनेंस कंपनियों से लाखों रुपये का सामान लिया और बाद में किस्तें जमा करना बंद कर दिया।

पुलिस के अनुसार मामला तब सामने आया जब पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके परिचित शेखर देशमुख और उसके साथी ने उसके नाम पर फाइनेंस करवाकर एप्पल कंपनी का आईफोन खरीदा था। इसके बाद आरोपी ने अलग-अलग प्रतिष्ठानों से मोबाइल, एसी, एलईडी टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान भी फाइनेंस पर प्राप्त किए। शुरुआत में आरोपियों ने कुछ किस्तें जमा कर संदेह से बचने की कोशिश की, लेकिन बाद में भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया। इसका खामियाजा पीड़ित को भुगतना पड़ा, क्योंकि फाइनेंस की राशि उसके बैंक खाते से कटने लगी। जांच में सामने आया कि विभिन्न फाइनेंस कंपनियों के प्रति कुल 1.73 लाख रुपये से अधिक की देनदारी शेष रह गई, जबकि पीड़ित के खाते से 16 हजार रुपये भी कट गए। मामले की जांच के दौरान पुलिस को आरोपी की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य

मिले। इसके बाद शेखर देशमुख (26 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने फाइनेंस सिस्टम का गलत इस्तेमाल कर अनुचित आर्थिक लाभ कमाने का प्रयास किया। यह पूरा खेल सुपेला, दुर्ग और आसपास के इलेक्ट्रॉनिक्स प्रतिष्ठानों में अंजाम दिया गया।

फाइनेंस के नाम पर ठगी का नया तरीका

जांच अधिकारियों का कहना है कि लोगों को अपने दस्तावेज, पहचान पत्र और बैंक संबंधी जानकारी किसी अन्य व्यक्ति को देने से पहले पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। छोटी सी लापरवाही भी किसी को लाखों रुपये के कर्ज और कानूनी परेशानियों में डाल सकती है।

दुष्कर्म मामले में कांग्रेस नेता और पत्रकार गिरफ्तार समझौते के नाम पर 1.30 लाख वसूली का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में सिलयारी की नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अपराध को दबाने और समझौते के नाम पर कथित वसूली के आरोपों के बीच धरसींवा पुलिस ने कांग्रेस नेता सूरज ठाकुर और पत्रकार सैफी खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों ने आरोपी पक्ष से रकम लेकर मामले को सेटल कराने में भूमिका निभाई थी।

पुलिस के अनुसार दुष्कर्म प्रकरण को दबाने के लिए कुल 1.30 लाख रुपए का लेन-देन हुआ था। जांच में सामने आया कि राशि ऑनलाइन माध्यम से ट्रांसफर की गई थी। साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

पहले पीड़िता के दादा समेत तीन जा चुके हैं जेल

इस मामले में पुलिस इससे पहले पीड़िता के दादा और दो कथित बिचौलियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज चुकी है। आरोप है कि पीड़िता के दादा ने ही आरोपी पक्ष से समझौते के लिए रकम ली थी। पुलिस ने उनके कब्जे से एक

लाख रुपए नकद भी बरामद किए थे।

वीडियो और ऑडियो के बाद बदली जांच की दिशा

18 अप्रैल 2026 को दर्ज इस मामले में शुरुआती जांच के दौरान नाबालिग ने अपराध से इनकार किया था। इसके चलते प्रकरण बंद करने की तैयारी थी। इसी बीच सोशल मीडिया पर वीडियो और ऑडियो सामने आए, जिसके बाद पुलिस ने जांच दोबारा शुरू की।

नई जांच में पहले दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार हुए। इसके बाद जांच आगे बढ़ी तो मामले को दबाने के लिए कथित सौदेबाजी और रकम के लेन-देन की परतें खुलने लगीं। पुलिस का दावा है कि उसके पास रकम लेने से जुड़े वीडियो सबूत भी मौजूद हैं। आयोग मामले में पाक्सो एक्ट, किशोर न्याय अधिनियम और अन्य कानूनी प्रावधानों के पालन की समीक्षा भी करेगा।

जांच जारी, और बढ़ सकती है कार्रवाई

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में वित्तीय लेन-देन, कथित बिचौलियों के नेटवर्क और अन्य लोगों की भूमिका की जांच अभी जारी है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

रायगढ़ में शादी का झांसा देकर युवती से रेप, इंस्टाग्राम से हुई थी जान-पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में युवक ने शादी का झांसा देकर युवती से रेप किया, जब वह प्रेग्नेंट हो गई तो उसने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र की रहने वाली 22 साल की युवती की पहचान फरवरी 2025 में इंस्टाग्राम के जरिए से सागर सारथी (25, निवासी ग्राम जिला जशपुर) से हुई थी। बातचीत के दौरान सागर ने खुद को अविवाहित बताया था और तराईमाल स्थित प्लांट में काम करना बताया था।

सागर लगातार युवती को पत्नी बनाकर रखने और शादी करने का आश्वासन देता रहा। 23 जुलाई 2025 को सागर ने युवती को फोन कर तराईमाल बुलाया। वह उसे मजदूर क्वार्टर में ले गया और पत्नी बनाकर रखने का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी लगातार उसे अपने क्वार्टर में पत्नी की तरह रखकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा।

युवती के गर्भवती होने पर शादी से इंकार

अगस्त 2025 में जब युवती गर्भवती हो गई, तब आरोपी ने उसका पालन-पोषण नहीं कर पाने की बात कहकर उसे उसके घर धरमजयगढ़ भेज दिया। इसके बाद भी सागर उसके घर आता-जाता रहा और विवाह करने की बात करता रहा, लेकिन जब पीड़िता ने आरोपी से अपने साथ रखने की बात कही, तब आरोपी ने बताया कि उसकी पहली पत्नी गर्भवती है और उसने शादी से इनकार कर दिया।

जान से मारने की धमकी

सागर ने पीड़िता से कहा कि वह अपने परिजनों से कहीं और विवाह करा देने की बात कहे। ऐसा नहीं करने पर आरोपी ने उसे जान से मारकर फेंक देने की धमकी भी दी।

पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

धमकी के बाद पीड़िता ने गुरुवार को पूंजीपथरा थाने में लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू की। महिला पुलिस अधिकारी ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया।

इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी सागर सारथी को सिंघल पावर प्लांट लेबर कॉलोनी, तराईमाल से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने प्रेम संबंध होने और गर्भवती करने की बात स्वीकार की। पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

तलवार लेकर आतंक फैलाने वाला युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

रायपुर। रायपुर के पुराना आमानाका इलाके में खुलेआम तलवार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शुक्रवार शाम पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि एक युवक पुराना आमानाका स्थित डूमर तालाब के पास लोहे की तलवार लहराकर लोगों को डरा रहा है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और गवाहों की मौजूदगी में आरोपी को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध धारदार लोहे की तलवार बरामद हुई। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी के खिलाफआर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भानू प्रसाद बारले (29) के रूप में हुई है। वह कान्हा पब्लिक स्कूल के पास, ग्राम सोनडोंगरी, थाना कबीर नगर क्षेत्र का रहने वाला है। थाना आमानाका में अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। शाम की पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

रायगढ़ में 6 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त

रायगढ़। जिले में प्राप्त शिकायत के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने पुसौर क्षेत्र में छापेमार कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से 6 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की है। कलेक्टर के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में 12 जून को आबकारी उप निरीक्षक याजेन्द्र मेहर एवं उनकी टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान ग्राम घुघुवा निवासी नरहरि राणा के घर से 6 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। आरोपी अपने रहवासी मकान में अवैध रूप से महुआ शराब का संग्रहण कर रखा था। मामले में आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्रवाई के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

खास खबर

अंडर-19 की उप कप्तान महक नरवासे का मुख्यमंत्री साय ने किया सम्मान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजनांदगांव जिले की प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर महक नरवासे ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तथा सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टी-20 एवं वनडे दोनों टीमों का उपकप्तान नियुक्त किए जाने पर सुश्री महक नरवासे को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर महक का सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महक नरवासे की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार या राजनांदगांव जिले की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियां आज खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रही हैं। महक ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि महक आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और देश का नाम गौरवान्वित करेंगी। उन्होंने महक को प्रोत्साहित करते हुए कहा, खूब खेलो, आगे बढ़ो और नई ऊंचाइयों को छुओ। आपकी सफलता प्रदेश के हजारों युवा खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महक का भारतीय टीम में चयन प्रदेश में विकसित हो रहे खेल वातावरण और खिलाड़ियों को मिल रहे अवसरों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

शौर्य चक्र से सम्मानित वीर जवानों को गृह मंत्री शर्मा ने दी बधाई, बताया साहस और समर्पण की मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों 'शौर्य चक्र' से सम्मानित वीर पुलिस एवं सुरक्षा बल के जवानों से उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने शनिवार को अपने नवा रायपुर अटल नगर स्थित निवास कार्यालय में आत्मीय मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डीजीपी अरुण देव गौतम सहित जवानों के परिजन एवं परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ और देश को ऐसे वीर सपूतों पर गर्व है, जिन्होंने अपने अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए असाधारण परिस्थितियों में भी वीरता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इन जवानों की बहादुरी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

श्री शर्मा ने शौर्य चक्र से सम्मानित इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट, इंस्पेक्टर रामेश्वर प्रसाद देशमुख तथा राइफलमैन भोज राम साहू के साहसिक कार्यों की

सराहना की और उनके परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश सेवा के इस गौरवपूर्ण योगदान में परिवारों का त्याग और समर्थन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने जवानों के अदम्य साहस भरी घटनाओं के बारे में भी उनसे जानकारी ली।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ पुलिस के इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट एवं इंस्पेक्टर रामेश्वर प्रसाद देशमुख को 16 अप्रैल 2024 को कांकेर क्षेत्र में नक्सलियों के विरुद्ध संचालित एक बड़े अभियान में अद्वितीय नेतृत्व, साहस और रणनीतिक कौशल का परिचय देने के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। उनके नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने कठिन परिस्थितियों में नक्सलियों का मुकाबला करते हुए महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की थी।

इसी प्रकार 3 असम राइफल्स के राइफलमैन भोज राम साहू को भारत-म्यांमार सीमा क्षेत्र में घुसपैठ विरोधी अभियान के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद अदम्य साहस के साथ मोर्चा संभालते हुए दुश्मनों को पीछे हटने के लिए मजबूर किया था।

विश्व रक्तदान दिवस पर विशेष

केवल रोगी के लिए जीवन दान ही नहीं स्वयं दाता के लिए भी संजीवनी है रक्तदान करना

धनंजय राठौर

रायपुर। रक्तदान करके आप न केवल एक से तीन लोगों का जीवन बचा सकते हैं बल्कि यह खुद आपके लिए भी संजीवनी की तरह है। रक्तदान की जरूरत घायलों, बड़ी सर्जरी की जरूरत वालों, प्रसव के दौरान या थैलेसीमिया जैसी रक्त संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों का जीवन बचाने के काम आता है।

हर साल 14 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। आपकी रगों में बहता हुआ खून किसी के बुझते हुए घर के चिराग को दोबारा रोशन कर सकता है। इस बार सिर्फ स्टेटस न लगाएं, आगे आएं और रक्तदान करें!

दुनिया में कई तरह के दान किए जाते हैं— अन्नदान, वस्त्रदान, धनदान और विद्यादान। रक्तदान इन सबसे ऊपर है। इसका कारण यह है कि बाकी सभी दान व्यक्ति की सुख-सुविधाओं को पूरा करते हैं, जबकि रक्तदान किसी मरते हुए व्यक्ति को जीवनदान देता है। जब कोई व्यक्ति दुर्घटना का शिकार होता है, किसी बड़ी सर्जरी से गुजरता है, या थैलेसीमिया और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहा होता है, तब उसके पास जिंदगी और मौत के बीच बहुत कम समय होता है। उस वक्त आपकी दी हुई खून की एक यूनिट (लगभग 350-450 मिलीलीटर) किसी का बुझता हुआ घर का चिराग दोबारा रोशन कर सकती है।

विज्ञान आज तक प्रयोगशाला में कृत्रिम खून नहीं बना पाया है। इसका सीधा और कड़वा सच यह है कि किसी इंसान की रगों में बहता खून ही किसी दूसरे इंसान की जान बचा सकता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति और समाज में रक्तदान को 'महादान' का दर्जा दिया गया है।

जब आप एक बार रक्तदान करते हैं, तो आप केवल एक नहीं, बल्कि तीन लोगों की जान बचा सकते हैं।

रक्तदान क्यों है जरूरी?

चिकित्सा विज्ञान ने आसमान छू लिया है। कृत्रिम अंग बन रहे हैं। जटिल से जटिल सर्जरी हो सकती है लेकिन प्रयोगशाला में कृत्रिम खून नहीं बन पाया हैं। मतलब साफ है कि इंसान की जान बचाने के लिए केवल इंसान का खून ही काम आता है।

इसलिए 'अगर आप किसी के चेहरे पर मुस्कान देखना चाहते हैं, तो पहले अपनी बाहें आगे बढ़ाएं।'

तीन हिस्सों में बंटता है खून

ब्लड बैंक में रक्त को तीन मुख्य घटकों में अलग किया जाता है: लाल रक्त कणिकाएं, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स। ये सभी कम्पोनेंट अलग-अलग प्रकार की समस्याओं में काम आती हैं। अर्थात एक यूनिट रक्त तीन लोगों के काम आती है।

रक्तदाता को लाभ

रक्तदान से खून का थक्का जमने की संभावना कम हो जाती है। दिल के दौरे का खतरा कम होता है। कुछ प्रकार के कैंसर का जोखिम कम होता है। नई रक्तकोशिकाओं से स्फूर्ति आती है। मुफ्त में ब्लड का चेकअप हो जाता है।

किन्हें होती है जरूरत?

सड़क या किसी भी दुर्घटनाओं में अत्यधिक खून बह जाने पर, थैलेसीमिया, कैंसर, और हीमोफिलिया जैसी बीमारियों में, प्रसव के दौरान ज्यादा रक्तस्राव होने पर, दिल का ऑपरेशन, ऑर्गन ट्रांसप्लांट आदि में जहां सर्जरी लंबी चलती है और रक्त की जरूरत पड़ सकती है।

केंद्र-राज्य समन्वय से विकास को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री साय से की भेंट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से शनिवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सौजन्य मुलाकात की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय एवं निरंतर संवाद की भावना ने विकास कार्यों को नई गति प्रदान की है।

इसी सहयोगात्मक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच मजबूत साझेदारी से अधोसंरचना विकास, उद्योग, रोजगार, कौशल विकास तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आपसी सहयोग और समन्वय से छत्तीसगढ़ के विकास को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में सहायता प्राप्त होगी।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में ढाई साल में सुदृढ़ हुईं स्वास्थ्य सेवाएं, दूरस्थ दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंची सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन में शामिल होकर एनएचएम कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान एनएचएम कर्मियों के 33 दिनों की हड़ताल अवधि का वेतन दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण में एनएचएम कर्मियों का योगदान अतुलनीय है और सरकार उनके कार्यों का सम्मान करती है।

मुख्यमंत्री ने कोरोना महामारी को याद करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया संकट में थी, तब एनएचएम के अधिकारी और कर्मचारी अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की सेवा में जुटे रहे। उस कठिन समय में स्वास्थ्य कर्मियों ने मानवता की मिसाल पेश की, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज भी प्रदेश के ऐसे क्षेत्रों में, जहां सड़कें और परिवहन सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, स्वास्थ्य कर्मी पैदल चलकर, नदी-नाले पार कर लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र में संचालित मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव-गांव पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रही है और अब तक लगभग 90 प्रतिशत आबादी की स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के उन्मूलन के बाद वहां विकास और जनकल्याण की नई संभावनाएं खुल रही हैं, जिनमें स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश के स्वास्थ्य सेवाओं में हुए व्यापक विस्तार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज खोलने से लेकर डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती से स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मजबूती से खड़ी है और सभी के सहयोग से विकसित एवं स्वस्थ छत्तीसगढ़ का निर्माण किया जाएगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि जशपुर से लेकर सुकमा तक प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में एनएचएम कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ बस्तर अभियान का भी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

अबूझमाड़ में कस्टम हायरिंग सेंटर शुरू करने का फैसला, किराए पर मिलेंगे कृषि उपकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिला नारायणपुर के अंतर्गत ग्राम गुरिया में 'अबूझमाड़ प्रोडक्शन समृद्धि महिला प्रोड्यूसर कंपनी' (एफपीओ) की समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में नारायणपुर की ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता और आर्थिक समृद्धि की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए क्षेत्र में कृषि एवं आजीविका गतिविधियों को नए आयाम देने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान/एनआरएलएम), नीति आयोग तथा पीपीआईए फेलो की संयुक्त टीम ने हिस्सा लिया। इस दौरान एफपीओ की वर्तमान गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की चुनौतियों पर गहन मंथन किया गया।

मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर बाजार

एनआरएलएम (बिहान) की टीम ने महिला एफपीओ को वनोपज एवं कृषि उत्पादों के संग्रहण, विपणन (मार्केटिंग) और नए किसानों को संगठन से जोड़ने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। अधिक से अधिक किसानों की क्षमता विकास के लिए कृषि विज्ञान केंद्र में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे क्षेत्र के किसानों को न केवल आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी, बल्कि उन्हें सीधे बाजार से जोड़कर उपज का सही मूल्य भी दिलाया जाएगा।

कस्टम हायरिंग सेंटर से घटेगी खेती की लागत

क्षेत्र में कस्टम हायरिंग सेंटर संचालित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। इसके माध्यम से आधुनिक कृषि यंत्र किराए पर उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे कृषि लागत में कमी आएगी। एफपीओ के माध्यम से फसल उत्पादन वृद्धि, वैज्ञानिक उर्वरक प्रबंधन और मिलेट (श्रीअन्न) प्रोसेसिंग को भी धरातल पर उतारा जाएगा।

आईआईएमआर हैदराबाद से मिला सहयोग

वनमंत्री केदार कश्यप के विशेष प्रयासों से भारतीय मिलेट अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद के सहयोग से इस महिला एफपीओ को हाल ही में ट्रैक्टर, ट्रॉली, कल्टीवेटर और हैरो समेत कई महत्वपूर्ण कृषि उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

ग्रामीण आजीविका को मिला नया आधार

मनरेगा से बना बकरी शेड, इसीके नीचे मुर्गीफार्म

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ग्रामीण परिवारों के लिए आय बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने का प्रभावी माध्यम बन रही है। रायगढ़ जिले की 7 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के अंतर्गत लगभग 3 लाख रुपये की लागत से आधुनिक बकरी पालन शेड स्वीकृत किए गए हैं। इस पहल से ग्रामीण पशुपालकों को वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक पशुपालन अपनाने का अवसर मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में बकरी पालन लंबे समय से आजीविका का महत्वपूर्ण साधन रहा है, लेकिन उचित आवास और वैज्ञानिक प्रबंधन के अभाव में पशुपालकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अब मनरेगा के माध्यम से बनने वाले आधुनिक बकरी पालन शेड पशुओं को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करेंगे। इन शेडों का निर्माण वैज्ञानिक मानकों के अनुसार ऊंचे प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा, जिससे पशु वर्षा, जलभराव और अत्यधिक गर्मी से सुरक्षित रहेंगे। बेहतर

वेंटिलेशन, स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था के कारण पशुओं में बीमारियों का खतरा कम होगा तथा उनकी वृद्धि और उत्पादन क्षमता में सुधार होगा। इसका सीधा लाभ पशुपालकों की आय में वृद्धि के रूप में दिखाई देगा। बकरी पालन से दूध, खाद और पशुधन बिक्री के माध्यम से आय प्राप्त होगी, जबकि देशी मुर्गी पालन से अंडा और मांस उत्पादन के जरिए अतिरिक्त आमदनी होगी। इससे छोटे और सीमांत किसानों को कम लागत में अधिक लाभ मिलेगा।

आत्मनिर्भर गांवों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

योजना के अंतर्गत पशुपालकों को हरे चारे की व्यवस्था, संतुलित पशु आहार, नियमित टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उनकी दक्षता बढ़ेगी और पशुपालन अधिक लाभकारी व्यवसाय बन सकेगा। मनरेगा के माध्यम से विकसित यह आधुनिक बकरी एवं मुर्गी पालन मॉडल ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बन रहा है। यह पहल न केवल ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण और सतत ग्रामीण विकास को भी नई गति प्रदान करेगी।

नीचे मुर्गी, ऊपर बकरी

मनरेगा पशु शेड की विशेषता यह है कि इसे एकीकृत आजीविका मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। बकरी शेड के नीचे देशी मुर्गी पालन की व्यवस्था भी की जाएगी। इससे ग्रामीण परिवार एक ही स्थान पर दो अलग-अलग आजीविका गतिविधियों का संचालन कर सकेंगे। एक तरफ जहां बकरियों को बारिश के दौरान भी शुष्क रखने में मदद मिलेगी वहीं देसी मुर्गियों को भी सुरक्षित आश्रय मिल जाएगा। एक ही जमीन और निर्माण का दोहरा फायदा होगा।

मनरेगा चेक डैम से बदली गांव की तस्वीर, लेंगे दोहरी फसल, अब बारिश पर घटेगी निर्भरता

- जल संरक्षण से कृषि विकास को मिली नई दिशा, बढ़ी आय की उम्मीद

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण और कृषि सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। बलरामपुर जिले के ग्राम सुलसुली में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत निर्मित चेकडेम किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस पहल से अब किसानों की खेती केवल वर्षा पर निर्भर नहीं रहेगी, बल्कि उन्हें सालभर सिंचाई सुविधा मिलने से दोहरी फसल उत्पादन का अवसर प्राप्त होगा।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत सुलसुली के लेदो नाला पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 17 लाख रुपये की लागत से चेकडेम का निर्माण कराया गया है। यह संरचना क्षेत्र में जल संरक्षण को मजबूत करने के साथ-साथ कृषि उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पहले गांव के किसानों को सिंचाई संसाधनों के अभाव में मुख्यत: वर्षा आधारित खेती करनी पड़ती थी। खरीफ सीजन के बाद पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण अधिकांश कृषि भूमि रबी मौसम में खाली रह जाती थी। चेकडेम निर्माण के बाद अब लगभग 10 किसानों की 15 हेक्टेयर कृषि भूमि को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे खरीफ और रबी दोनों मौसमों में खेती संभव हो सकेगी।

विशेषज्ञों के अनुसार चेकडेम से जल संचयन बढ़ने के साथ भू-जल स्तर में भी सुधार होगा। इससे आसपास के कुओं और अन्य जलस्त्रोतों में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी, जिसका लाभ किसानों और ग्रामीणों को लंबे समय तक मिलेगा। फसल विविधीकरण और आय वृद्धि के नए अवसर सृजित होंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950